● वर्ष-3
● अंक-132
रायपुर, गुरुवार
11 जनवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› सीटीईटी 2024 परीक्षा में...

प्राण प्रतिष्ठा में नहीं जाएंगे खड़गे-सोनिया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण अस्वीकार कर दिया है। कांग्रेस ने साफ तौर पर कहा है कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उसके नेता शामिल नहीं होंगे। राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को दिया गया था। हालांकि, कांग्रेस ने साफ तौर पर कहा है कि यह भाजपा और आरएसएस का कार्यक्रम है। इसलिए हम इसमें शामिल नहीं हो रहे हैं।

इसके साथ ही कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मंदिर के नाम पर राजनीतिकरण हो रहा है। कांग्रेस ने कहा कि ससम्मान पूर्वक न्योता अस्वीकार कर रहे हैं। अधीर रंजन चौधरी भी इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। कांग्रेस की ओर से दावा किया गया है कि चुनावी लाभ के लिए इस तरीके का समारोह कराया जा रहा है। अधूरे मंदिर का उद्घाटन हो रहा है।

कांग्रेस ने अपने बयान में कहा कि हमारे देश में लाखों लोग भगवान राम की पूजा करते हैं। धर्म एक निजी मामला है। लेकिन आरएसएस/बीजेपी ने लंबे समय से अयोध्या में मंदिर का राजनीतिक प्रोजेक्ट बनाया है। भाजपा और आरएसएस के नेताओं द्वारा अधूरे मंदिर का उद्घाटन स्पष्ट रूप से चुनावी लाभ के लिए किया गया है। 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करते हुए और भगवान राम का सम्मान करने वाले लाखों लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए, मल्लिकार्जुन खड़गे, श्रीमती सोनिया गांधी और श्री अधीर रंजन चौधरी ने स्पष्ट रूप से आरएसएस/भाजपा कार्यक्रम के निमंत्रण को सम्मानपूर्वक अस्वीकार कर दिया है।

कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अधीर रंजन चौधरी 22 जनवरी को राम मंदिर कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। पार्टी ने एक बयान जारी

कर राम मंदिर कार्यक्रम के मुद्दे पर कांग्रेस के रुख की अटकलों को समाप्त कर दिया। कांग्रेस ने कहा कि अभिषेक कार्यक्रम स्पष्ट रूप से आरएसएस/भाजपा का कार्यक्रम बन गया है। हालांकि, इसको लेकर बाजपा की ओर से कांग्रेस पर चौतरफा वार किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी इसको लेकर कांग्रेस और गांधी परिवार पर निशाना साधा है।

स्मृति ईरानी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का भगवान राम विरोधी चेहरा देश के सामने है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि सोनिया गांधी के नेतृत्व में, जिस पार्टी ने अदालत के समक्ष हलफनामा दायर किया था कि भगवान राम एक काल्पनिक चरित्र हैं, उसके नेतृत्व ने राम मंदिर के प्राणप्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि सोनिया गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व में INDI एलायंस ने बार-बार सनातन धर्म का अपमान किया है। अब, INDI गठबंधन के नेताओं द्वारा प्राणप्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार करना उनकी सनातन विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

कांग्रेस का राम विरोधी चेहरा सामने आया

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी इसको लेकर कांग्रेस और गांधी परिवार पर निशाना साधा है। स्मृति ईरानी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का भगवान राम विरोधी चेहरा देश के सामने है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि सोनिया गांधी के नेतृत्व में, जिस पार्टी ने अदालत के समक्ष हलफनामा दायर किया था कि भगवान राम एक काल्पनिक चरित्र हैं, उसके नेतृत्व ने राम मंदिर के प्राणप्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि सोनिया गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व में INDI एलायंस ने बार-बार सनातन धर्म का अपमान किया है। अब, INDI गठबंधन के नेताओं द्वारा प्राणप्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार करना उनकी सनातन विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। बीजेपी प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। पिछले कुछ दशकों में कांग्रेस पार्टी ने वास्तव में यह देखने के लिए कोई कदम नहीं उठाया कि अयोध्या में एक मंदिर होना चाहिए। दरअसल, कांग्रेस-यूपीए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर भगवान राम के अस्तित्व को नकार दिया था। वे अदालत में खड़े थे और कभी भी शीघ्र सुनवाई नहीं चाहते थे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने रहेंगे एकनाथ शिंदे

मुंबई । महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला शिवसेना गुट वैध है क्योंकि उन्हें पार्टी के बहुमत विधायकों का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने यह भी फैसला सुनाया कि शिंदे गुट के विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि तत्कालीन शिवसेना के मुख्य सचेतक सुनील प्रभु के पास विधानमंडल की बैठक बुलाने का कोई अधिकार नहीं था। अपना आदेश सुनाते हुए स्पीकर राहुल नार्वेकर ने कहा कि शिवसेना के 1999 के संविधान को ध्यान में रखना होगा क्योंकि 2018 का संशोधित संविधान चुनाव आयोग के समक्ष नहीं रखा गया था।

पूरा विवाद था क्या?

इस मामले की जड़ें जून 2022 से जुड़ी हैं, जब एकनाथ शिंदे और लगभग 40 विधायकों ने तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत कर दी थी। परिणामस्वरूप शिवसेना में विभाजन हो गया। महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट के बीच रिसॉर्ट पॉलिटिक्स का दौर भी देखने को मिला। एक हफ्ते से अधिक समय तक बागी विधायक गुजरात के सूरत से असम के गुवाहाटी की रिसॉर्ट में ठहरते नजर आए। शिंदे ने अंततः भाजपा से हाथ मिला लिया। शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई। शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया गया जबकि भाजपा के देवेन्द्र फडणवीस को उपमुख्यमंत्री पद पर संतोष करना पड़ा। महीनों बाद, अजित पवार और एनसीपी विधायकों के एक वर्ग के सरकार में शामिल होने के बाद महाराष्ट्र को एक और डिप्टी सीएम मिला।

स्पीकर ने खारिज की विधायकों की अयोग्यता की याचिका

कोर्ट कैसे पहुंचा विवाद?

शिंदे के विद्रोह के बाद, उद्धव ठाकरे खेमे ने कोपरी-पचपखाड़ी विधायक को सेना के विधायक दल के नेता पद से हटाने का प्रस्ताव पारित किया। सुनील प्रभु को मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया। कुछ घंटों बाद, प्रतिद्वंद्वी खेमे ने एक प्रस्ताव पारित कर शिंदे को विधायक दल का प्रमुख घोषित किया और भरतशेत गोगावले को मुख्य सचेतक नियुक्त किया। सेना-भाजपा सरकार के गठन के बाद नए अध्यक्ष चुने गए नार्वेकर ने गोगावले को सेना के मुख्य सचेतक के रूप में मान्यता दी थी। इसके बाद, उद्धव खेमे ने प्रतिद्वंद्वी सेना खेमे के 40 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की। बदले में शिंदे गुट ने उद्धव खेमे के 14 विधायकों के खिलाफ याचिका दायर की।

आयोग ने क्या दिया नियम?

फरवरी 2023 में चुनाव आयोग ने शिंदे गुट को असली सेना के रूप में मान्यता दी और इसे शिवसेना नाम और धनुष और तीर प्रतीक आवंटित किया। ठाकरे गुट को शिव सेना (यूबीटी) नाम दिया गया, जिसका प्रतीक जलती हुई मशाल है। चुनाव आयोग ने अपने आदेश के लिए कहा कि यह बहुमत के परीक्षण पर आधारित है। चुनाव आयोग ने कहा कि शिंदे गुट को महाराष्ट्र में सेना के 67 विधायकों और एमएलसी में से 40 और संसद में 22 सांसदों में से 13 का समर्थन प्राप्त था।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा है?

दो महीने बाद, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि वह महा विकास अघाड़ी सरकार को बहाल नहीं कर सकता क्योंकि तत्कालीन सीएम उद्धव ठाकरे ने फ्लोर टेस्ट का सामना किए बिना अपना इस्तीफा दे दिया था। कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल द्वारा सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी के समर्थन से एकनाथ शिंदे को सीएम पद की शपथ दिलाना उचित था। शीर्ष अदालत ने स्पीकर से अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने को कहा और कहा कि नार्वेकर को किसी निष्कर्ष पर पहुंचते समय पार्टी के मूल संविधान पर भरोसा करना चाहिए।

विष्णुदेव साय की केबिनेट बैठक में निर्णय

सरकार कराएगी राम लला के दर्शन

रायपुर। मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा छत्तीसगढ़वासियों को दी गई गारंटियों में से एक और गारंटी को पूरा करते हुए प्रदेश में श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना शुरू करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

ज्ञातव्य है कि धार्मिक नगरी अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होने जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेशवासियों को श्री रामलला के दर्शन कराने हेतु अयोध्या ले जाने की घोषणा की गई है। जिसके परिपालन में श्री रामलला दर्शन योजना शुरू की जा रही है। इस योजना का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल द्वारा तथा बजट पर्यटन विभाग द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के तहत हर साल लगभग 20 हजार यात्रियों को श्री रामलला दर्शन हेतु यात्रा पर ले जाया जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी, 18 से 75 आयु वर्ग के जो जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण में सक्षम पाए जाएंगे, उन्हें यात्रा की पात्रता होगी। दिव्यांगजनों के लिए यथा संभव उनके परिवार से कोई एक सदस्य साथ में रहेंगे। प्रथम चरण में 55 वर्ष से ऊपर के यात्रियों को यह सुविधा उपलब्ध होगी। इसके पश्चात अन्य आयु वर्ग के लोगों को भी यह सुविधा दी जाएगी। इसके लिए प्रत्येक जिले में कलेक्टर की अध्यक्षता में श्री रामलला दर्शन समिति बनायी जाएगी। प्रत्येक समिति द्वारा अनुपातिक कोटा के अनुसार हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। इस यात्रा की दूरी लगभग 900 किलोमीटर होगी। इसके लिए भारतीय रेल्वे केटरिंग एवं टूरिज्म कार्पोरेशन (आईआरसीटीसी) के साथ छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल द्वारा एमओयू किया जाएगा। आईआरसीटीसी द्वारा यात्रा के दौरान यात्रियों को सुरक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, स्थलों के दर्शन, स्थानीय परिवहन तथा एस्कार्ट की व्यवस्था की जाएगी। हितग्राहियों को उनके निवास से निर्धारित रेल्वे स्टेशन तक लाने एवं वापस ले जाने की व्यवस्था संबंधित जिला कलेक्टर द्वारा की जाएगी।

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री ने आज गुजरात के गांधीनगर में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो में एक प्रदर्शनी का दौरा किया।

प्रमुख समाचार

मौर्य ने कारसेवकों पर पुलिस गोलीबारी को जायज ठहराया

लखनऊ। अपने विवादित बयानों के लिये अक्सर चर्चा में रहने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने बुधवार को अयोध्या में 1990 में उत्तर प्रदेश की तत्कालीन मुलायम सिंह यादव सरकार द्वारा कार सेवकों पर गोली चलवाने के आदेश को उचित ठहराते हुए कहा कि ऐसा संविधान की रक्षा के लिए

किया गया था। श्रीरामचरित मानस और हिंदू धर्म को लेकर हाल में विवादास्पद टिप्पणियों को लेकर सुर्खियों में रहे सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य बौद्ध एकता समिति गंजडुंडवारा के तत्वावधान में आयोजित बौद्ध जनजागरण सम्मेलन में भाग लेने के लिए कासगंज में थे। मौर्य ने संवाददाताओं से बातचीत में एक सवाल पर कहा, अयोध्या में कार सेवकों पर गोलीबारी तत्कालीन सरकार द्वारा संविधान की रक्षा के अपने कर्तव्य को पूरा करने के लिए की गई थी। उन्होंने कहा, उस समय बड़ी संख्या में अराजक तत्वों ने तोड़फोड़ की थी और तत्कालीन सरकार ने संविधान, शांति और व्यवस्था बचाने के लिए गोलियां चलवाई थीं। यह सरकार का कर्तव्य था और उसने ऐसा किया भी। मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार ने 30 अक्टूबर 1990 को राम भक्तों पर गोली चलाने का आदेश दिया था।

कांग्रेस ने भगवान राम को काल्पनिक बताया थाः मनोज

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार को इसे आरएसएस-भाजपा का कार्यक्रम बताकर राम मंदिर के निमंत्रण को सम्मानपूर्वक अस्वीकार कर दिया। कांग्रेस के नेता राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह

में शामिल नहीं होंगे। इसी के बाद अब भाजपा हमलावर हो गई है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि वे दर्शन के लिए कैसे जाएंगे? क्या यह सच नहीं है कि कांग्रेस ने यह सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ताओं को मैदान में उतारा कि वहां राम मंदिर का निर्माण न हो? उन्होंने भगवान राम को काल्पनिक पात्र बताया। राम सेतु को अस्वीकृत था। यह शुरू से ही उनकी मानसिकता रही है। दिल्ली से सांसद ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि उनकी सोच बदलने वाली है...लेकिन देश की जनता ने संदेश दे दिया है कि उनके मन में भगवान राम के अलावा पीएम मोदी भी बसते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम सिर्फ बीजेपी और आरएसएस के नहीं बल्कि हर व्यक्ति के हैं। ...अगर कांग्रेस को लगता है कि भगवान राम उनके नहीं हैं, तो यह उनकी समस्या है।

कांग्रेस के न्याय यात्रा पर नड्डा का तंज

नई दिल्ली। असम के गुवाहाटी में पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भारत न्याय यात्रा को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने

ओबीसी को संवैधानिक दर्जा दिया। लेकिन वे (कांग्रेस) केवल वोट चाहते हैं। नेहरू ने अम्बेडकर को संसद में प्रवेश करने से रोक दिया था। ओबीसी के साथ इतना अन्याय करने के बाद अब ये न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आर्टिकल 356 का इस्तेमाल कर 90 बार चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया। ये लोग न्याय यात्रा निकाल रहे हैं? अगर कल कोई हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार गिरा दे तो क्या होगा?...जब राहुल गांधी अपनी यात्रा के दौरान यहां आएं तो आपको उनसे 1984 के सिख विरोधी दंगों के बारे में पूछना चाहिए। नड्डा ने कहा कि आज पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत अभूतपूर्व तरीके से बदल रहा है। आपको याद रखना चाहिए कि आप उस पार्टी से हैं जिसने भारतीय राजनीति की संस्कृति को बदल दिया है। पीएम मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारतीय राजनीति की परिभाषा भी बदल गई है।

मणिपुर में यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए स्थल को दी मंजूरी

इंफाल। मणिपुर सरकार ने बुधवार को मणिपुर में सीमित संख्या में प्रतिभागियों के साथ भारत जोड़ो न्याय यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए स्थान को मंजूरी दे दी। मणिपुर सरकार द्वारा यह मंजूरी कांग्रेस द्वारा इम्फाल पूर्वी जिले के हप्ता कांगजीबुंग मैदान से

यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए संपर्क करने के आठ दिन बाद मिली। इंफाल पूर्वी जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, किसी भी अप्रिय घटना और कानून-व्यवस्था में गड़बड़ी को रोकने के लिए 14 जनवरी को केवल सीमित संख्या में प्रतिभागियों के साथ यात्रा को हरी झंडी दिखाने की अनुमति दी गई है। प्रतिभागियों की संख्या और नाम इस कार्यालय को अग्रिम रूप से उपलब्ध कराया जाए ताकि यह कार्यालय सभी आवश्यक एहतियाती उपाय कर सके।आदेश में आगे कहा गया है कि इंफाल पूर्वी जिले के पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) ने एक रिपोर्ट सौंपी है जिसमें कहा गया है कि कार्यक्रम स्थल पर भारत जोड़ो न्याय यात्रा के उद्घाटन समारोह के दौरान भारी भीड़ होने की उम्मीद है। राज्य में मौजूदा कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, भारी भीड़ से कानून एवं व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है।

छात्रा से बलात्कार के मामले को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने वाराणसी में आईआईटी-बीएचयू की एक छात्रा से हुए बलात्कार की घटना में शामिल आरोपियों को बचाने के लिये सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए बुधवार को राज्यव्यापी प्रदर्शन किया। पार्टी ने हाल में गोरखपुर में माफिया विनोद उपाध्याय की पुलिस के साथ मुठभेड़ में हुई मौत की न्यायिक जांच की भी मांग की और आरोप लगाया कि यह सुनियोजित हत्या है क्योंकि उपाध्याय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विरोधी था। राजधानी लखनऊ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय के पास भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने आईआईटी-बीएचयू सामूहिक बलात्कार मामले में शामिल आरोपियों को बचाने की कोशिश की थी। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मनीष हिंदवी ने पीटीआई- को बताया, पिछले साल नवंबर में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में आईआईटी की एक छात्रा ने सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की पहचान की, मगर उन्हें मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रचार के लिये भेज दिया गया। काफी दबाव पड़ने पर दो महीने बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। यह निश्चित रूप से सत्ता का दुरुपयोग है।

वेटिकन सिटी-कंबोडिया-यरूशलम का अध्ययन करने के बाद तैयार हुआ अयोध्या का मास्टर प्लान

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पूरी दुनिया में उत्साह

लखनऊ। जहां तक रामोत्सव की धूम की बात है तो आपको बता दें कि अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के भव्य शुभारंभ और श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की सिर्फ उत्तर प्रदेश और देश में ही नहीं, बल्कि यूरोप से लेकर अमेरिका तक धूम है। इस आयोजन को लेकर पूरी दुनिया में उत्सव का माहौल बन चुका है। ये उत्सव सिर्फ अयोध्या या भारत में ही नहीं बल्कि अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर से लेकर यूरोप के एफिल टावर तक देखने को मिलेंगे। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 21 जनवरी को राम रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पूरे यूरोप से एक हजार लोग एकत्रित होंगे। साथ ही एफिल टावर के पास उत्सव मनाया जाएगा। इसी तरह अमेरिका में टाइम्स स्क्वायर पर राम मंदिर भूमि पूजन की तर्ज पर 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। नॉर्थ अमेरिका से लेकर कनाडा तक के मंदिरों में पूजन व दीपोत्सव के आयोजन का फैसला लिया गया है। यही नहीं, अमेरिका में कैलिफोर्निया के साथ ही वाशिंगटन, शिकागो और अन्य शहरों में विशाल कार रैली का आयोजन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्राण प्रतिष्ठा भारतीय समयानुसार दोपहर लगभग 12.30 बजे होगी। उस समय पेरिस में सुबह और अमेरिका में देर रात का समय होगा।

हिंदू मंदिर एमपावरमेंट काउंसिल ने नॉर्थ अमेरिका से लेकर कनाडा तक के मंदिरों में पूजन व दीपोत्सव के आयोजन का निर्णय लिया है। विगत कई हफ्तों में वाशिंगटन, शिकागो और

दूसरे अमेरिकी शहरों में राम मंदिर के जश्न में कार रैलियां निकाली गई हैं। आयोजकों ने अब कैलिफोर्निया में कार रैली निकालने की योजना बनाई है। उनका कहना है कि वे अयोध्या नहीं आ सकते हैं, लेकिन भगवान राम उनके दिलों में हैं और उनकी घर वापसी में उनकी अटूट श्रद्धा है। यही नहीं, 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट न्यूयॉर्क शहर के टाइम्स स्क्वायर पर भी किया जाएगा। इससे पहले 5 अगस्त 2020 को राम मंदिर के भूमि पूजन को चिन्हित करते हुए टाइम्स स्क्वायर पर राम मंदिर का एक डिजिटल बिलबोर्ड चलाया गया था। अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन पर

पेरिस में निकाली जाएगी राम रथ यात्रा

हिंदुओं के आराध्य भगवान राम के मंदिर की स्थापना का जो सपना राम भक्तों ने देखा था वो 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद अब साकार होने जा रहा है। ऐसे में दुनिया भर के रामभक्त इस अवसर पर अपने-अपने तरीके से जश्न मना रहे हैं। इसी क्रम में 21 जनवरी 2024 को पेरिस में राम रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर पेरिस में रहने वाले अविनाश मिश्रा नाम के यूजर ने राम रथ यात्रा के बारे में डिटेल साझा की है। उन्होंने लिखा है, %फ्रांस में रहने वाले हम भारतीय पूरे पेरिस में राम रथ यात्रा और एफिल टावर पर बड़े पैमाने पर उत्सव का आयोजन करके अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण अवसर पर शामिल होंगे।% अविनाश ने अपनी पोस्ट में राम रथ यात्रा का पूरा मैप भी शेयर किया है, जबकि पेरिस में रहने वाले राम भक्तों से इस आयोजन में सम्मिलित होने का अनुरोध भी किया है। उनकी इस पोस्ट को राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ने भी रीट्वीट किया और लिखा कि अयोध्या में जन्मस्थान पर भगवान श्री रामलला सरकार की प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बनना सभी रामभक्तों के लिए एक आशीर्वाद है।

160 देशों में हो रहे विभिन्न आयोजन

विश्व हिंदू परिषद ने भी कई देशों में आयोजन की रूपरेखा तैयार की है। इसके अनुसार दुनिया के 50 से ज्यादा देशों में बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन स्थानों पर प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को लाइव दिखाया जाएगा। अमेरिका में 300, ब्रिटेन में 25, ऑस्ट्रेलिया में 30, कनाडा में 30, मॉरीशस में 100 के अलावा आयरलैंड, फिजी, इंडोनेशिया और जर्मनी जैसे 50 से अधिक देशों में बड़े पैमाने पर रामलला प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, फिजी जैसे 50 देशों के प्रतिनिधियों को भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर अयोध्या आने का निमंत्रण भी दिया गया है। वहीं, मुस्लिम बाहुल्य देश इंडोनेशिया, सऊदी अरब में भी लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। विहिप के अनुसार दुनिया के 160 ऐसे देश हैं जहां हिंदू धर्म के लोग रहते हैं, वहां विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में शोभायात्रा, हवन पूजन, हनुमान चालीसा पाठ और मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग दिखाने की तैयारी है।

कलेक्टर ने संवेदनशील चांदामेटा के बीटेक पास जुगल किशोर को दी शिक्षक की नौकरी

बी-टेक तक की पढ़ाई करने वाले जुगल कोर्राम क्षेत्र के लिए रोल मॉडल है

जगदलपुर। कलेक्टर विजय दयाराम ने जिले के संवेदनशील क्षेत्र चांदामेटा के बीटेक पास जुगल किशोर को आश्रम शाला में कम्प्यूटर शिक्षक की नौकरी दी है। कलेक्टर ने कहा कि बहुत कम लोग है जो अतिसंवेदनशील क्षेत्र से निकलकर उच्च शिक्षा ग्रहण किए हो, प्रशासन हमेशा ऐसे क्षेत्रों से निकलने वाले युवाओं की सराहना और हर संभव सहयोग करने का प्रयास करती है। अति संवेदनशील क्षेत्र के बच्चे का उच्च शिक्षा प्राप्त करना भी एक बड़ी उपलब्धि है, शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर बी-टेक तक की पढ़ाई करने वाले जुगल किशोर कोर्राम क्षेत्र के लिए रोल मॉडल है।

उल्लेखनिय है कि जुगल किशोर कोर्राम बस्तर जिले के संवेदनशील क्षेत्र चांदामेटा का निवासी है। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले जुगल ने प्रारंभिक शिक्षा कोलेंग से की। इसके बाद जगदलपुर, फिर रायपुर प्रयास स्कूल से स्कूली शिक्षा ग्रहण किया। प्रयास के माध्यम में इंजिनियर बनने के प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी की और रायपुर के शासकीय इंजिनीयारिंग कालेज से बी टेक

की पढ़ाई की। उसने बताया कि आर्थिक जरूरतों के लिए टीचिंग काम भी उसने किया। पढ़ाई के दौरान उसे स्वास्थ्यगत दिक्कत होने लगी थी, जांच करवाने पर दिल से संबंधित बीमारी का पता चला। इस बीमारी की वजह से उसे आर्थिक हानि के साथ-साथ ज्यादा चलने में दिक्कत होने लगा है। जुगल के परिवार में माता-पिता, एक भाई और बहन है। माता-पिता कृषि कार्य में संलग्न हैं, भाई और बहन पढ़ाई कर रहे हैं।

विधानसभा चुनाव के दौरान चांदामेटा में पहली बार वोटिंग की प्रक्रिया किया गया। इस खबर को देखकर जुगल किशोर ने कुछ उम्मीद के साथ कलेक्टर श्री विजय से मिले। कलेक्टर ने जुगल के आवेदन पर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। निर्वाचन उपरांत सोमवार को कोलेंग क्षेत्र के विकास कार्यों का निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जुगल किशोर से मिलकर उसको बालक आश्रम में कम्प्यूटर शिक्षक के रूप में नियुक्ति देने की बात कही। जुगल ने सहमति दी तो कलेक्टर ने अपनी गाड़ी में बिठाकर आश्रम तक ले जाकर नियुक्ति हेतु आदेश जारी करने के लिए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को निर्देशित किया। कलेक्टर ने आश्रम के विद्यार्थियों से नए कम्प्यूटर शिक्षक का परिचय करवाया, इस अवसर पर जुगल ने छात्रों को गणित और अंग्रेजी भी पढ़ाने की बात कही।

तीर्थयात्रियों से भरी बस सड़क पर पलटी आठ को आया सामान्य चोट

अंबिकापुर। अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर वाड्रफनगर के खरहरा नाला के पास तीर्थयात्रियों की बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में आठ तीर्थयात्रियों को हल्की चोटें आई हैं जबकि शेष सभी 34 तीर्थयात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं। सभी तीर्थयात्रियों को वाड्रफनगर के सामुदायिक भवन में ठहराया गया है।

दुर्ग और बालोद जिले से 42 श्रद्धालु टूरिस्ट बस से तीर्थयात्रा पर निकले थे। इन सभी को बनारस, अयोध्या, वृंदावन जाना था। बुधवार की सुबह बस वाड्रफनगर के खरहरा नाला के समीप पहुंची थी कि तेज गति की पिकअप सामने से आ गई। टक्कर से बचने के प्रयास में बस पर से चालक का नियंत्रण हट गया और बस मोड़ पर पलट गई। दुर्घटना के समय बस की गति धीमी थी इसलिए ज्यादा गंभीर चोट नहीं है। दुर्घटना के बाद यात्रियों में कोहराम मच गया। सभी दुर्घटनाकारित बस से बाहर निकले। इधर पुलिस व प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी भी घटनास्थल पहुंचे। सभी को सुरक्षित तरीके से वाड्रफनगर लाया गया। जिन आठ यात्रियों को चोट आई थी उन्हें सिविल अस्पताल वाड्रफनगर में भर्ती किया गया है। शेष सभी यात्री सुरक्षित है।

हाइवा से टकराई बस, यात्री घायल

अंबिकापुर। नमना कला रिंग रोड में पालीटेक्निक कालेज के पास तेज रफ्तार बाइक सवार अचानक डिवाइडर के बीच में घुस आया। उसे बचाने के चक्कर में विपरीत दिशा से आ रहे हाइवा के चालक ने ब्रेक जैसे ही लगाया पीछे से आ रही बस हाइवा से जा टकराई जिससे बस में बैठे आधा दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया। बस अम्बिकापुर से झारखंड के गढ़वा की ओर जा रही थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक मोटरसाइकिल सवार जिला न्यायालय के पीछे वाली सड़क से तेज गति से निकल और सीधे रिंग रोड के बीचोबीच रास्ते में आ गया। मोटरसाइकिल सवार को बचाने के चक्कर में पहले हाइवा के चालक ने गाड़ी रोक दी। उसके ठीक पीछे आ रही सूरज बस अनियंत्रित होकर हाइवा से टकरा गई। बस में काफी संख्या में यात्री सवार थे। बस के टकराने के बाद सामने बैठे कई यात्री झटके से इधर-उधर गिर गए और उन्हें चेहरे, सिर और शरीर के अन्य हिस्से में चोटें आई। हादसे के बाद बस का ड्राइवर और क्लीनर दोनों वहां से फरार हो गए।

घटना के बाद रिंग रोड के एक हिस्से में जाम लग गया। उधर हाइवा चालक भी घटना के बाद अपनी वाहन लेकर निकल भागा। बस के चालक और परिचालक के भाग जाने के बाद उसमें सवार यात्री काफी परेशान रहे। उन्हें गढ़वा की ओर जाना था। बस में यात्रा के लिए उन्होंने टिकट के पैसे दिए थे और आगे की यात्रा के लिए उनके पास दूसरा कोई साधन नहीं था। लिहाजा वे परेशान हाल में खड़े रहे। सूचना पर पुलिस वहां पहुंची। इधर जानकारी मिलने पर बस संचालक भी वहां आया। उसने यात्रियों को दूसरे वाहन से गढ़वा की ओर भेजने की व्यवस्था की। आसपास के लोगों ने बताया कि रिंग रोड में कई स्थानों पर इस तरह के डिवाइडर बनाए गए हैं जो अक्सर हादसे का कारण बनते हैं। बुधवार को इसके कारण गंभीर दुर्घटना होते - होते टल गई।

गरीब अति पिछड़े जनजातीय परिवार को आत्मनिर्भर बनाने वाली

'पीएम जन मन योजना' पर मोदी करेंगे पहाड़ी कोरवाओं से बात

जशपुर। देश के विभिन्न राज्यों में गरीब अति पिछड़े जनजातीय परिवार के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने वाली पीएम जन मन योजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 जनवरी को जशपुर जिले के 2 पहाड़ी कोरवाओं से वर्चुअल चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री से चर्चा को लेकर पहाड़ी कोरवा परिवार में उत्साह दिखाई दे रहा है। इसे भी पढ़ें = अयोध्या में भगवान राम की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भक्तों में जबरदस्त उत्साह, गांवों से शहर तक दीपावली सा त्योहार मनाने की तैयारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्चुअल चर्चा के लिए बगीचा विकास खंड का दूरस्थ कुटमा गांव का चयन किया गया है। यहां रहने वाले पहाड़ी कोरवाओं को सप्ताह भर से प्रत्येक बिंदु पर समझाइश दी जा रही है। कलेक्टर डॉ। रवि मित्तल ने बताया कि इसमें पीएम जन मन योजना से गरीब परिवार के लोगों को मिलने वाली 11 तरह की सेवाओं की विस्तृत जानकारी के अलावा शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी बातें भी बताई जा रही हैं।

जिले से विभिन्न विभागों की जानकारी के अलावा केंद्र से भी विशेष प्रशिक्षकों की टीम को यहां भेजा गया है। दिल्ली की प्रशिक्षक दीपिका शर्मा

ने बताया कि पीएम जन मन योजना से गरीब परिवार के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की खातिर कुटमा गांव में ही वन धन केंद्र स्थापित किया जा रहा है। इस केंद्र में महुआ, बांस, तेन्दूपत्ता जैसी विभिन्न वनोपज को सरकारी दर से खरीदा जाएगा, जिसका व्यवसायिक उत्पाद तैयार कर उसके लाभ में भी संग्राहकों को भागीदार बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वर्चुअल मुलाकात को लेकर गांव के लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं है। प्रधानमंत्री से चर्चा करने वाले दोनों पहाड़ी कोरवा परिवार के लोग काफी खुश हैं। इसके अलावा कुटमा गांव मे आऐ दिन जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी पहुंच कर सरकार की योजनाओं से जोड़ने के लिए तत्काल आवश्यक दस्तावेज तैयार कर रहे हैं।

धान तौल में गड़बड़ी, धान खरीदी केंद्र में अन्नदाताओं से हो रही लूट

बारदाने का दोबारा वजन कर लिया जा रहा धान

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ में लगातार धान खरीदी चल रही है। जहां एक ओर किसानों में उत्साह देखने को मिल रहा है और बड़ी संख्या में अन्नदाता अपने उपज धान को बेचने समितियों में पहुंच रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भोले-भाले किसानों से खुले आम ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। यह मामला खैरागढ़ जिले का है। जहां धान खरीदी केंद्र में बारदाने के वजन कटौती के बाद भी किसानों के धान तौल में बारदाने का दोबारा वजन कर निर्धारित मात्रा से ज्यादा धान लिया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, खैरागढ़ के झुरानदी सेवा सहकारी समिति में किसानों से धान खरीदी के दौरान अधिक तौल कर धान लिया जा रहा है। प्रत्येक बारदाना की वजन कटौती के बाद 40 किलो धान खरीदी के साथ फिर से बारदाने के वजन के साथ 41 किलो 200 ग्राम से लेकर 41 किलो 700 ग्राम तक धान खरीदी की जा रही है।

वहीं धान खरीदी फड़ पर कार्य कर रहे लेबर ने भी माना की 40 किलो से ऊपर खरीदी करने के लिए उसे उसके समिति प्रबंधक ने कहा है। वहीं इस मामले में समिति प्रबंधक प्रकाश कुमार चंदेल ने जब बात किया गया तो उन्होंने कहा कि कहीं पर डेढ़ किलो नहीं ले रहे हैं। पूरे प्रदेश में 41 किलो 200 ग्राम धान खरीदी में किया जा रहा है। इस मामले से कलेक्टर को अवगत कराया गया। जिसमें उन्होंने कहा कि इस विषय पर जांच करवाएंगे।

बहरहाल अन्न दाता किसानों के साथ खुले आम हो रही इस लूट को लेकर अब प्रशासन और जिम्मेदार क्या कदम उठाते हैं यह देखने वाली बात होगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण में बैकुंठपुर ने किया बेहतर प्रर्दशन

नतीजे घोषित होने के साथ राष्ट्रपति करेंगे सम्मान

कोरिया। जिले के खासकर बैकुंठपुर नगर पालिका परिषद के लिए 11 जनवरी 2024 एक यादगार तिथि साबित हो सकती है। नगर पालिका, परिषद बैकुंठपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनीष वारे ने जानकारी दी है कि नई दिल्ली में स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 के नतीजे घोषित होने साथ ही देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की गरिमामय उपस्थिति में उक्त सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नगरीय-निकायों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। बता दें स्वच्छ सर्वेक्षण में नगर पालिका बैकुंठपुर ने बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसके लिए उक्त समारोह में आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनीष वारे दिल्ली रवाना हुए हैं। उक्त सर्वेक्षण में नगर पालिका परिषद, बैकुंठपुर को ओडीएफ प्लस-प्लस होने के साथ ही जीएफसी में एक स्टार रेटिंग हासिल करने में कामयाब हुए हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

सूरजपुर में मुख्यमंत्री साय के कार्यक्रम में नहीं दिखी रेणुका

सूरजपुर। पूर्व राज्यमंत्री व भरतपुर सोनहत से विधायक रेणुका सिंह इन दिनों लगातार पार्टी के कार्यक्रमों से दूरी बनाई हुए है। बीते दिनों भाजपा के संभाग स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में भी वह नदारद दिखी। मंगलवार को सूरजपुर में बिंझिया समाज की तरफ से आयोजित सामाजिक महासम्मेलन में भी वह शामिल नहीं हुई। सामाजिक बैनर में रेणुका सिंह की तस्वीर तो दिखाई दी लेकिन भाजपा द्वारा लगाए गए किसी भी बैनर पोस्टर में रेणुका सिंह की तस्वीर नजर नहीं आई। जिसकी वजह से कयास लगाए जा रहे हैं कि रेणुका सिंह और जिला भाजपा पार्टी के बीच तालमेल सही नहीं चल रहा है। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह की कार्यक्रम से दूरी पर कहा कि यह तो उनसे बात करने के बाद ही पता चलेगा, हो सकता है कहीं और उनका कार्यक्रम हो। बता दें कि रेणुका सिंह का नाम विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री की रेस में चर्चा में था। इसके बाद कैबिनेट में भी रेणुका सिंह को जगह नहीं मिली।

भिलाई स्टील प्लांट में बड़ा हादसा, मजदूर की हालत गंभीर

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट में हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। बुधवार को फिर एक बड़ा हादसा हो गया। जिसमें ठेका श्रमिक को गंभीर चोट आई है। बताया जा रहा है कि क्रेन के माध्यम से शिफ्टिंग का काम चल रहा था। तभी क्रेन का भारी भरकम हुक की चपेट में ठेका श्रमिक आ गया। जिसमें उसके कमर और सीने में गंभीर चोट आई है। हादसे की खबर लगते ही मौके पर अधिकारी पहुंचे । मेन मेडकिल पोस्ट में प्राथमिक उपचार कराने के बाद घायल श्रमिक को सेक्टर 9 हॉस्पिटल में भेजा गया, जहां मजदूर का इलाज जारी है। सेक्टर 9 हॉस्पिटल की आईसीयू में ठेका श्रमिक को भर्ती किया गया है।जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल मजदूर लोधी पारा न्यू खुर्सीपार भिलाई का निवासी है। बुधवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे यूनिवर्सल रेल मिल-यूआरएम के फिनिशिंग एरिया में काम चल रहा था। ठेका कंपनी के मालिक हितेश भाई पटेल का मजदूर बाबूलाल हादसे की चपेट में आ गया। स्क्रैप बकेट को क्रेन में फंसाते समय दुर्घटना हुई।

आईईडी की चपेट में आने से 8 साल की बच्ची घायल

बीजापुर। जिले में एक बार फिर नक्सलियों की कायराना करतूत सामने आई है। नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से 8 वर्षीय आदिवासी छात्रा गंभीर रूप से घायल हुई है। वहीं मां को भी चोट आई है। यह हादसा घर के पास ही हुआ। यह घटना शुक्रवार की शाम गंगालूर थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। जवानों को निशाना बनाने नक्सलियों ने आईईडी प्लांट किया था। अपनी मां के साथ चेरपाल से राशन सामग्री लेकर घर लौटने के दौरान चेरपाल-पालनार मार्ग पर 8 वर्षीय बच्ची आईईडी की चपेट में आ गई। घायल बच्ची का नाम सुनीता हेमला पिता सुखराम हेमला निवासी तुंगलवाया पालनार बताया जा रहा है। घायल बच्ची बीजापुर पोटाकेबिन में तीसरी कक्षा की छात्रा है। सूत्रों की मानें तो आईईडी की चपेट में आकर घायल होने के बाद घायल बच्ची को नक्सली अपने साथ ले गए और अपने मेडिकल कैंप में इलाज कर रहे हैं। वहीं पुलिस का कहना है, इस घटना की जानकारी मिली है। तस्दीक की जा रही है।

प्रतिभा की रसोई से गायब होगी धुंआ, अब नहीं घुटेगा दम

कांकेर। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं का दैनिक जीवन बहुत सरल एवं सुगम हो गया है। इस योजना से न केवल उन्हें स्वच्छ ईंधन मिल रहा है बल्कि रसोई धुंआरहित होने से स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर भी प्रतिकूल और सकारात्मक प्रभाव पड़ रहे हैं। कांकेर विकासखण्ड के ग्राम मनकेसरी में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविर में उज्ज्वला योजना की हितग्राही श्रीमती प्रतिभा देवांगन ने बताया कि आज उन्हें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत नया गैस कनेक्शन मिला है, इससे उन्हें खाना बनाने में बहुत सहुलियत मिलेगी। पहले उन्हें अपने रसोई में चूल्हे जलाने के लिए दूर जंगल से जलाऊ लकड़ी लानी पड़ती थी। साथ ही लकड़ी के जलने से निकलने वाले धुंए से उनके व बच्चे की आंखों में जलन के साथ दम घुटने जैसी स्थिति बन जाती थी। वहीं बच्चे भी किचन का काम करने से बचते थे। श्रीमती देवांगन ने बताया कि अब इन सभी परेशानियों से छुटकारा मिलेगा और गैस के उपयोग से समय की बचत के साथ उन्हें धुएं से भी मुक्ति मिलेगी।

लुटेरी लड़कियों ने लूटकर ले गए 7 लाख की ज्वेलरी

रायगढ़। जिले में लुटेरी लड़कियों ने एक मकान मालकिन को बंधक बनाकर लाखों की लूटपाट की है। इसकी शिकायत के बाद पुलिस ने तीन लुटेरियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला चक्रधर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, जिले के सूर्यविहार में गेट के करीब एक मकान में तीन लड़कियों ने डकैती को अंजाम दिया है। मकान मालकिन शालिनी अग्रवाल ने बताया कि, उनके घर में काम करने वाली बाई और उसकी सहेलियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। शालिनी ने बताया कि, वह नहाने के लिए गई थी। जैसे ही वह बाथरूप से निकली तो काम वाली बाई और उसकी दो सहेलियों ने उस पर हमला कर दिया। इससे वह बेहोश हो गई। फिर उन्हें बंधक बनाकर तीनों ने करीब 50 हजार रुपये कैश और करीब 6-7 लाख रुपये की ज्वेलरी लेकर फरार हो गए। शिकायत के बाद चक्रधर नगर पुलिस और साइबर सेल की टीम तीनों लुटेरियों की तलाश में जुट गई। इस दौरान स्टेशन चौक स्थित शिवम होटल के पास से तीनों लड़कियों को हिरासत में लिया गया।

धमतरी में 24 घंटे पहले ड्राइवरों की हड़ताल खत्म, अधिकारियों ने दिया आश्वासन

धमतरी। धमतरी में हड़ताल के 24 घंटे से पहले ही ड्राइवरों ने अपनी हड़ताल वापस ले लिया। ड्राइवरों ने ऐलान किया है कि 11 जनवरी को सभी अपने-अपने काम पर वापस लौट जाएंगे।चालकों ने यह भी कहा कि हड़ताल के कारण सभी लोग परेशान होते हैं। हड़ताल की वजह से व्यवस्थाएं भी प्रभावित होती है, इसलिए यह हड़ताल वह वापस ले रहे हैं।

दरअसल, धमतरी में वाहन चालकों की घोषित अनिश्चितकालीन हड़ताल 24 घंटे भी नहीं चल पाई। आखिर में जिला प्रशासन के अधिकारियों की समझाईश के बाद वाहन चालकों ने अपना हड़ताल वापस ले लिया है। वाहन चालकों ने ऐलान किया है कि 11 जनवरी से सभी चालक अपने काम पर लौट जाएंगे। चालकों ने यह भी कहा कि, हड़ताल के कारण सभी लोग परेशान होते हैं और व्यवस्थाएं प्रभावित होती है इसलिए यह हड़ताल वापस ले रहे हैं।

अध्यक्ष, धमतरी ड्राइवर संघ अनूप मानिकपुरी ने कहा हिट एंड रन से जुड़े नए कानून के विरोध में वाहन चालकों की ओर से किए जा रहे हड़ताल को जिला प्रशासन के अधिकारियों की ओर से समझाईश और आम नागरिकों को समस्या न हो इसको ध्यान में रखते हुए। वाहन चालक संघ द्वारा हड़ताल को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। गुरुवार से सभी अपने कार्य पर वापस लौटेंगे। हमारे हड़ताल से धान खरीदी, स्कूल बस समेत जरूरी काम काज प्रभावित हो रही थी। गुरुवार से कम पर लौटेंगे।

इसके साथ ही अधिकारियों ने ड्राइवर को आश्वासन दिया है कि जिस कानून का वह विरोध कर रहे हैं वह कानून अभी लागू ही नहीं हुआ है। हमारी समझाईश का एक अच्छा नतीजा सामने आया है कि वाहन चालकों ने अपनी हड़ताल वापस ले ली है। अब 11 जनवरी से स्कूल से लेकर सभी तरह के ट्रांसपोर्ट वापस अपने काम पर लौट जाएंगे।बता दें कि एक दिन पहले धमतरी में जिला और पुलिस प्रशासन ने ड्राइवर संघ की बैठक ली थी। ड्राइवरों ने हड़ताल करने की बात कही थी। इसके बाद बुधवार को धमतरी में ट्रक और बस के ड्राइवर स्टीयरिंग छोड़ हड़ताल पर चले गए। लेकिन यह हड़ताल 24 घण्टे भी नही चल पाया। ड्राइवर संघ को प्रशासन ने ड्राइवरों को समझाया कि अभी कानून लागू नहीं हुआ है। बहरहाल धमतरी में ड्राइवरों के हड़ताल खत्म करने की बात कहने के बाद सभी काम सुचारू रूप से चलेंगे।

हाड़ कंपा देने वाली ठंड का सितम जारी बारिश से तापमान में आई गिरावट

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला पेण्ड्रा मरवाही जिले में हाड़ कंपा देने वाली ठंड का सितम जारी है। बुधवार सुबह घने कोहरे के चलते सड़कों पर विजिबिलिटी लगभग 5 मीटर रह गई। जिसके चलते सड़कों पर चलने वाले वाहनों की रफ्तार पर भी कोहरे का असर पड़ा है और वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। तो रेल मार्ग पर भी असर देखने को मिल रहा है, कोहरे के चलते यात्री ट्रेनें काफी देरी से चल रही हैं।

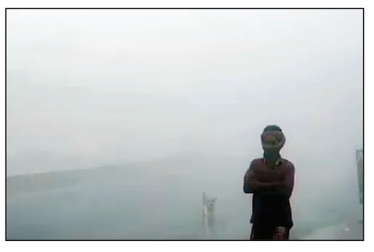

नया साल शुरू होते ही गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में मौसम का बदला अंदाज देखने को मिलने लगा। पूरा जिला घने कोहरे की चादर से लिपटा रहता है आज भी इलाके में कोहरा इतना घना था कि विजिबिलिटी महज 5 मी ही रह गई थी। मौसम विभाग की मानें तो इस बदले मिजाज को स्थानीय मौसम में पिछले दिनों बारिश का होना बता रहा है। वहीं आने वाले दिनों में मौसम एक-दो दिन ऐसा ही बने रहने की संभावना है।

मौसम विभाग ने कहा कि कुछ दिनों पूर्व इलाके में बारिश हुई थी, जिसकी वजह से कोहरा छा रहा है और आगे भी कुछ दिनों तक इसी तरह घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है। कोहरे के चलते सड़कों पर चलने वाले वाहनो की रफ्तार धीमी हो गई है और लोग दिन में भी अपने वाहनों के लाइट जलाकर चला रहे है। तो कोहरे का असर कटनी से बिलासपुर जाने वाले रेल मार्ग पर भी साफ देखने को मिल रहा है। यहां पर चलने वाली यात्री ट्रेनें भी अपने समय से काफी देरी से चल रही हैं, जिसके चलते इस मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्री परेशान हैं।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में मिले कोरोना के 18 नए मरीज, रायपुर में सबसे ज्यादा संक्रमित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना तेजी फैल रहा है। प्रदेश में रोजाना कोरोना से संक्रमित पाए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आज 4775 सैंपलों की जांच हुई, जिसमें 18 कोरोना से नए संक्रमित मिले हैं। वहीं पॉजिटिविटी दर 0.38 प्रतिशत है। वहीं प्रदेश में कोरोना से संक्रमित कुल 28 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है। अब तक प्रदेश में 115 एक्टिव केस हैं। बीते मंगलवार को प्रदेश के चार जिलों में कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। बाकी जिलों में कोई नया मामला से सामने नहीं आया। वहीं रायपुर में 12, रायगढ़ में 3, बलौदा बाजार में 2 और दुर्ग में 1 कोरोना के नए संक्रमित पाए गए हैं। प्रदेश में अब तक कुल 14 जिलों में कोरोना के संक्रमित गए हैं। वहीं प्रदेश कोरोना से संक्रमित 28 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है, जिसमें होम आइसोलेशन से 27 और अस्पताल से 1 मरीज को डिस्चार्ज किया गया है। बीते दिनों की तुलना में कोरोना मरीजों की संख्या में गिरावट आई है। इसके साथ ही कई मरीजों को डिस्चार्ज भी किया गया है।

महादेव ऐप : दम्मानी बंधु की जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर। ऑनलाइन सट्टा एप महादेव के प्रमोटर्स को हवाला कारोबार के जरिये मदद पहुंचाने के मामले में गिरफ्तार अनिल दम्मानी और सुनील दम्मानी की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। पिछले सप्ताह उनकी अर्जी पर सुनवाई पूरी कर हाईकोर्ट ने आदेश सुरक्षित रखा था। दोनों भाईयों पर आरोप है कि महादेव ऐप से होने वाली अवैध उगाही के रुपयों को वे हवाला के जरिए दुबई ट्रांसफर करते थे। इसके अलावा कारोबार बिना बाधा संचालित हो सके इसके लिए छत्तीसगढ़ के पुलिस अधिकारियों को हवाला के जरिए ही रुपए पहुंचाते थे। ईडी की टीम ने 23 अगस्त 2023 को रायपुर और दुर्ग में छापेमारी कर इन दोनों को अन्य आरोपियों के साथ गिरफ्तार किया था। अपनी जमानत के लिए इन्होंने पहले रायपुर की विशेष अदालत में अर्जी लगाई थी। वहां से याचिका खारिज होने के बाद उन्होंने हाई कोर्ट में अपील की। उनकी ओर से कहा गया कि उनसे पूछताछ पूरी हो चुकी है और चार्ज शीट पेश नहीं की गई है। अब उनको जेल में रखने का औचित्य नहीं है। ईडी ने तर्क दिया था कि दोनों के खिलाफ पुख्ता सबूत हैं, उनको जमानत पर छोड़ जाना उचित नहीं होगा।

गुणवत्ता समीक्षकों का दौरा कार्यक्रम

रायपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के

राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक जनवरी 2024 में छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों के दौरे पर रहेंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण रायपुर से मिली जानकारी के अनुसार जनवरी 2024 में श्री रमेश नानक राम होटवानी (मो. नं- +91-88884-75655) कोरबा एवं कवर्धा जिले और श्री राजेश्वर राज माथूर (मो. नं +91-90791-02066) राजनांदगांव एवं कांकेर जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित सड़कों के निर्माण कार्यों के गुणवत्ता निरीक्षण करेंगे।

स्वामी परमार्थ देव का एक दिवसीय योग शिविर अनुपम गार्डन में आज

रायपुर। प्रतिवर्षानुसार होने वाले विशेष

शिविर के तहत इस वर्ष भी गुरुवार 11 जनवरी को अनुपम गार्डन में योग शिविर का आयोजन किया गया है। उल्लेखनीय है कि यह शिविर स्वामी रामदेव महाराज के परम शिष्य डा. स्वामी परमार्थ देव जी महाराज, मुख्य केन्द्रीय प्रभारी के सानिध्य में होगा। करे योग, रहे निरोग की बातों को चरितार्थ करते हुए स्वामी जी राजधानी के साधकगणों को योगाभ्यास सिखायेंगे। साथ ही योग की महत्ता पर प्रकाश डालेंगे। सभी साधकगणों को प्रोटोकाल का पालन करते हुए निर्धारित यूनिफार्म में योग शिविर में पहुंचना होगा। योगाचार्य छबिराम साहू शिविर का संचालन करेंगे। विदित हो कि अनुपम गार्डन में योगाचार्य छबिराम साहू के नेतृत्व मे प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से योगाभ्यास सिखाया जाता है। सैकड़ों की संख्या में साधकगण रोजना प्रातः 6 से 7.15 बजे तक योगाभ्यास करते हैं और पूरी तरह से निःशुल्क है। जिसका एकमात्र उद्देश्य योग को बढ़ावा देना है।

जल्द ही प्रारंभ करेंगे अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि की दर्शन यात्रा : साय

भाजपा कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा मोदी की गारंटी मतलब गारंटी पूरा होने की गारंटी

रायपुर। राजधानी रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित भाजपा कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी सरकार बने ज्यादा दिन नहीं हुए हैं, लेकिन हमने कई महत्वपूर्ण निर्णय ले लिए हैं। हम जल्द ही छत्तीसगढ़ से अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि में दर्शन यात्रा प्रारंभ करेंगे। आने वाला लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा और हमें छत्तीसगढ़ से उन्हें 11 सीटें जीतकर उपहार स्वरूप 11 कमल दिल्ली भेजना है। हमारे सभी कार्यकर्ताओं ने तन मन धन से परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए ऐतिहासिक बहुमत से 54 सीट दिलाई है। यह सब आप सभी की बदौलत हुआ है। इससे पहले ही हमारी तीन बार सरकार रही है लेकिन इतना वोट प्रतिशत कभी नहीं बढ़ा। आप सभी को आश्वस्त करता हूं कि मोदी जी की गारंटी मतलब गारंटी पूरा होने की गारंटी।

श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पर बहुत बड़ा विश्वास किया है। हमारे केंद्रीय नेताओं ने प्रदेश के कार्यकर्ताओं का लगातार उत्साह बढ़ाया हमारी जीत इसी का परिणाम है। हमारी सरकार बने ज्यादा दिन नहीं हुए हैं, लेकिन हमने कई महत्वपूर्ण निर्णय ले लिए हैं। 13 तारीख को शपथ लेने के दूसरे ही दिन 14 दिसंबर को हमने 18 लाख आवासहीन

परिवारों के हित में निर्णय लिया। 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के दिन हमने 12 लाख से ज्यादा किसानों को 3700 करोड़ रुपए से ज्यादा का बोनस जारी कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ के युवाओं से वादा किया था कि पीएससी घोटाले की जांच होगी, दोषियों को नहीं बख्शा जाएगा। हमने दूसरे कैबिनेट बैठक में ही पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच का निर्णय लिया। महतारी वंदन के लिए हमने तीन दिवसीय विधानसभा के सत्र में बजट की व्यवस्था कर ली है, अब जल्द ही विवाहित माताओं-बहनों को प्रतिवर्ष 12 हजार रुपए आर्थिक सहायता देंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हम जल्द ही छत्तीसगढ़ से अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि में दर्शन यात्रा प्रारंभ करेंगे। आने वाला चुनाव प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का चुनाव है। हमें छत्तीसगढ़ से उन्हें 11 सीटें जीतकर उपहार स्वरूप 11 कमल दिल्ली भेजना है।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भी कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि विष्णु देव और किरण देव दोनों ही हमारे आधार हैं। इन दोनों के नेतृत्व में हमें लोकसभा की 11 के 11 सीटें हमें जीतनी है। विधानसभा चुनाव में आप सभी ने छत्तीसगढ़ में आज तक की सबसे बड़ी सीट जीत दिलाई है। भाजपा के कार्यकर्ता जिस परिश्रम और कर्मठता से काम करते हैं, वह वंदनीय है। आपने जिस परिश्रम और पराक्रम से अपनी सरकार बनाई है उससे कई ज्यादा मेहनत और परिश्रम से हमें केन्द्र में मोदी जी की सरकार बनाएंगे। कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पांच साल बाद हमारे अच्छे दिन आए हैं और अच्छे दिन आप सब कार्यकर्ताओं के दम पर आए हैं। अच्छे दिन आपके परिश्रम, त्याग, तपस्या से आये हैं, इसका पूरा श्रेय आप सभी कार्यकर्ताओं को है। अब तो हमारे घर में रामलला भी आ रहे हैं, तीर-धनुष लेकर अन्यायियों, आततायियों का नाश करने आ रहे हैं। अब हमें लोकसभा में मोदी की गारंटी को घर-घर पहुंचाना है। उनकी एक-एक गारंटी को पूरा करना है और लोकसभा में छत्तीसगढ़ की सभी सीटों को जीतना है।

सांसद श्री सुनील सोनी ने कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह में स्वागत भाषण दिया। श्री सोनी ने कहा कि आने वाले समय में लोकसभा चुनाव जीतने के लिए हमें जमकर मेहनत करनी है। अब कोई भी चुनाव हो हमें बस जीत की आदत डालनी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण सिंह देव ने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं ने बूथ से लेकर निचले स्तर तक जनता के बीच हमारा विषय रखने में बहुत मेहनत की है। लोगों ने भारतीय जनता पार्टी और मोदी की कल्याणकारी योजनाओं पर विश्वास किया है। आप सभी की मेहनत से ही छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी है। मोदी की गारंटी में हमने जितने भी वादे जनता से किए हैं, उन्हें पांच सालों में चरण दर चरण पूरा करेंगे। अब हमारी जवाबदारी बढ़ गई है। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने 54 विधानसभा सीटों को जीतकर इतिहास बनाया है। हमने जनता से कहा है कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनी है। आने वाले समय में मोदी जी का चुनाव है, अब बारी है केंद्र में सरकार बनाने की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री टंकराम वर्मा, सांसद श्री चुन्नी लाल साहू, विधायक श्री अजय चंद्राकर, श्री राजेश मूणत, श्री संपत अग्रवाल, श्री अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत साहेब

22 जनवरी को रामोत्सव पर मिले सार्वजनिक अवकाश, बृजमोहन का मुख्यमंत्री से आग्रह

रायपुर। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले प्रभु राम लला मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर छत्तीसगढ़ के धर्मस्व,संस्कृति और शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक अवकाश दिए जाने का आग्रह किया है। अपने पत्र में बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु राम छत्तीसगढ़ के भांजे हैं। 22 जनवरी को उनकी जन्मस्थली अयोध्या में निर्मित भव्य श्रीराम मंदिर का भव्य लोकार्पण एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित हो रहा है जिसे लेकर पूरे दुनिया भर के सनातनी हिंदू धर्मावलंबी हर्षित है। इस दिन पूरी दुनिया रामोत्सव मनाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय से पत्र में कहा कि इस हर्षोल्लास के अवसर पर छत्तीसगढ़ में भी स्कूल कॉलेज सहित सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाना चाहिए ताकि छत्तीसगढ़ का जन जन रामोत्सव धूम धाम से मना सके।

युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव ने हसदेव की जंगल कटाई रोकने पीएम व सीएम को लिखा पत्र

रायपुर। भाजपा की प्रदेश में सरकार बनने के बाद से लगातार हसदेव के जंगलों की कटाई की जा रही है तबसे युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा और प्रदेश प्रभारी पलक वर्मा के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में लगातार आंदोलन कर रही है। इसी सिलसिले में बुधवार को छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव अभिषेक कसार ने हसदेव की जंगल कटाई रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को अपने खून से पत्र लिखा और इसे जयस्तंभ चौक में स्थित मुख्य डाकघर से उनके पते पर भेजा।

प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में कसारने कहा कि एक तरफ प्रभू श्रीराम अयोध्या आरहे है वहीं दूसरी ओर उनके ननिहाल को नष्ट किया जा रहा है। जिस जंगल (हसदेव अरण्य) में राम ने वनवास का समय माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ बिताया उसे कटने से बचा लीजिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी अपने खून से पत्र लिखकर हम मांग करते हैं फर्जी ग्रामसभा की जांच करा के परसा को कटने से बचा लीजिए। अडानी प्रेम कहीं और दिखाइए, जंगल कटने से साबित होता है आप राम के नाम पर ढोंग करते है क्योंकि आप राम की निशानी को अडानी के हित में बर्बाद कर रहे है।

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि आपको आदिवासी मुख्यमंत्री बनाकर बीजेपी ने पेश किया है आप जल, जंगल, जमीन की रक्षा करें। अगर आदिवासियों का घर छीन जाएगा तो आदिवासी कहां रहेंगे, कैसे जियेंगे आप खुद आदिवासी समुदाय से आते है आपको तो अच्छे से पता होगा। हम अपने लहू से पत्र लिखकर मांग करते हैं फर्जी ग्रामसभा की जांच कराइए और आदिवासियों को न्याय दिलाइए। राज्य को अडानीगढ़ बनने से बचाइये।

कृषि मंत्री ने कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि पंचांग 2024 का किया विमोचन

छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए बहुत उपयोगी है कृषि पंचांग : नेताम

रायपुर। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज यहां बीज निगम कार्यालय में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि पंचांग 2024 का विमोचन किया। श्री नेताम ने कृषि पंचांग के प्रकाशन हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल एवं उनके सहयोगियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि पंचांग में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान एवं विस्तार कार्यों के साथ ही नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी तथा किसानों के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जाकारियों का समावेश किया गया है, जो किसानों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। उन्होंने

आशा व्यक्त की कि कृषि विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के किसानों के हित में इसी प्रकार निरंतर प्रयासरत रहेगा।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कृषि मंत्री को विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि पंचांग 2024 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विगत 20 वर्षों से कृषि पंचांग एवं कृषि दर्शिका का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न किसानोपयोगी जानकारियों का समावेश होता है। उन्होंने बताया कि कृषि पंचांग में वर्ष के 12 महीनों के कैलेन्डर एवं पंचांग के साथ-साथ किसानों के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान, विकास तथा विस्तार कार्यों, विभिन्न फसलों की नवीन उन्नत किस्मों, प्रमुख अनाज, दलहन, तिलहन, फल, फूल, सब्जी, मसाला आदि फसलों की कृषि कार्यमाला एवं उत्पादन तकनीक, नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी, कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि महाविद्यालयों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों की प्रमुख गतिविधियों को शामिल किया जाता है।

कलेक्टर-एसपी ने वाहन चालकों से की बातचीत, कहा-

हिट एंड रन का नया कानून अभी लागू नहीं, किसी भी प्रकार के अफवाह में न आएं

रायपुर/बलौदाबाजार। हिट एंड रन मामले पर केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि हिट एंड रन मामलों के लिए लाए गए कानून को अभी लागू नहीं किया गया है। अभी पुराना कानून ही लागू है। कतिपय स्वार्थी तत्वों ने फेक लेटर्स के माध्यम से गलत जानकारी देकर ट्रांसपोर्ट संगठनों और वाहन चालकों को बहकाने की सूचना दी है। इसकी सूचना मिलते ही आज कलेक्टर चंदन कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक झा ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में वाहन चालक संघ, ट्रक ड्राइवर संघ,वाहन मालिक संघ,बस मालिक संघ के प्रतिनिधियों से मिलकर उनके संदेहों को दूर किया। वहीं रायपुर में भी छग ड्राइवर महासंगठन ने रायपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर स्टेयरिंग छोड़ अभियान को निरस्त करने की बात कही है।

कलेक्टर चंदन कुमार ने कहा वाहन, चालकों को स्वार्थी तत्वों द्वारा गलत जानकारी देकर फैलाए जा रहे अफवाहों से डरने की आवश्यकता नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि नए कानून को लागू करने से पहले अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रतिनिधियों से बातचीत करने के बाद ही कोई फैसला लिया

जाएगा। वाहन चालकों को किसी भी प्रकार के बहकावे में आने और भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। इस संबंध में वाहन चालकों को किसी प्रकार के अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई है।

इसी तरह पुलिस अधीक्षक दीपक झा ने कहा, वाहन चालकों को किसी भी प्रकार से डरने की आवश्यकता नहीं है। सभी की सुरक्षा का ख्याल रखा जाएगा। इसके साथ ही एसपी ने बताया कि साइबर पुलिस द्वारा ऐसे वाट्सअप ग्रुप सहित अन्य सोशल मीडिया में अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इस दौरान ड्राइवर संघ द्वारा विभिन्न समस्याओं पर बात रखी गई, जिस पर प्रशासन की ओर से कलेक्टर ने शीघ्र ही निराकरण करने के आश्वासन दिए। इसके साथ ही पूरे ड्राइवर संघ द्वारा प्रशासन को भरोसा दिलाया गया है कि किसी भी प्रकार हड़ताल नहीं होगी।

इस मौके पर जिला परिवहन अधिकारी भूपेंद्र गावरे, यातायात टीआई कुजूर,वाहन मालिक संघ संजीव सिंह, बस मालिक संघ मानक ठाकुर, अशोक जैन, सुभाष चंद्र चालक संघ के अध्यक्ष रवि घृतलहरे, महामंत्री राजु निषाद सहित बड़ी संख्या में ड्राइवर उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा आल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस को पत्र प्रेषित कर स्पष्ट किया है कि भारत सरकार का संबंधित विभाग इस कानून को लागू करने से पहले अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रतिनिधियों से बातचीत करेगी और उसके बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने पत्र जारी कर कहा है कि भारतीय न्याय संहिता 106(2) लागू करने से पहले हम ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेंगे और उसके बाद ही हम कोई निर्णय लेंगे।

एसएसपी मीणा सीबीआई के लिए रिलीव

शशि मोहन सिंह ने संभाला बस्तर एसपी का प्रभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। आईपीएस जितेंद्र मीणा की सीबीआई में पोस्टिंग के बाद वे रिलीव हो गए। उनके स्थान पर आईपीएस शशि मोहन सिंह को बस्तर एसपी का अस्थाई प्रभार सौंपा गया है। शासन के आदेश के मुताबिक 2008 बैच के आईपीएस अधिकारी मीणा प्रतिनियुक्ति पर सीबीआई में उप महानिरीक्षक बनाए गए हैं। इसके अलावा शासन द्वारा 2009 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफसर सुनील कुमार जैन को राज्य खनिज विकास निगम का प्रबंध संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वर्तमान में उन पर खनिज विभाग और जल जीवन मिशन के संचालक और खनिज एवं ऊर्जा विभाग के विशेष सचिव की भी जिम्मेदारी है। बता दें कि 2012 बैच के आईपीएस शशि

मोहन सिंह ने आज सुबह 11 बजे एसपी कार्यालय पहुंचकर चार्ज संभाल लिया है। उनके एसपी कार्यालय पहुंचते ही सलामी दी गई। एडिशनल एसपी नाग के साथ डिपार्टमेंट के अफसरों ने बुके भेंट कर स्वागत किया और बधाई दी। बता दें कि, आईपीएस शशि मोहन सिंह पिछले 5 वर्षों से सेनानी के पद पर बस्तर संभाग में पदस्थ हैं और पिछले 2 साल से पांचवी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल जगदलपुर के सेनानी के पद पर तैनात हैं 2018 से वे 9वीं बटालियन छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल दंतेवाड़ा में कमांडेंट का दायित्व संभाल रहे थे।

राजधानी का गढ़कलेवा अब और भी बनेगा आकर्षक

■ आदिम जाति कल्याण मंत्री ने दिए गढ़कलेवा में आकर्षक सजावट और परिसर की साफ-सफाई के निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ी व्यंजन के लिए मशहूर राजधानी का गढ़कलेवा अब और अधिक आकर्षक और सुविधायुक्त बनेगा। आदिम जाति कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम गढ़कलेवा पहुंचकर जायजा लिया और अधिकारियों से कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के साथ ही अन्य प्रदेशों के लोगों का आना-जाना लगा रहता है। छत्तीसगढ़ी खान-पान से उन्हें परिचित कराने के लिए यहां और सुविधाएं बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि गढ़कलेवा परिसर में साफ-सफाई के साथ-साथ आकर्षक कलाकृतियों से सजावट की

जाए।

आदिम जाति कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने गढ़कलेवा में आम नागरिकों, युवाओं और प्रबुद्धजनों के साथ चिला, फरा, लाई के लड्डू, ठेठरी, खुरमी सहित अन्य छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का आनंद लिया। मंत्री श्री नेताम ने अलग-अलग स्टालों में जाकर तैयार हो रहे व्यंजनों की जानकारी ली। उन्होंने गढ़कलेवा के प्रबंधकों सहित कर्मचारियों, दीदियों से चर्चा कर यहां बिक्री होने वाले व्यंजनों के बारे पूछा। उन्होंने गढ़कलेवा को आकर्षक बनाने के लिए राज्य सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया।

श्री नेताम ने गढ़कलेवा संचालित कर रहे स्व-सहायता समूह के प्रबंधकों से कहा कि नाश्ता और खाना में दोना-पत्तल का इस्तेमाल किया जाए। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। उन्होंने गढ़कलेवा परिसर में ऐतिहासिक कलाकृतियों को स्थापित कर गढ़कलेवा को और खुबसूरत बनाने पर जोर दिया। इस दौरान परिसर स्थित छत्तीसगढ़ पर्यटन सूचना केन्द्र के पर्यटन अधिकारी श्री दिनेश जांगड़े ने मंत्री श्री नेताम को जुट बेग भेंट किया। इस मौके पर आदिम जाति और संस्कृति विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य में अब तक 91.07 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के तहत एक नवंबर 2023 से धान खरीदी का महाअभियान निरंतर जारी है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष मोदी जी की गारंटी के अनुरूप किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा अब तक किसानों से 91.07 लाख मीट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। धान के एवज में किसानों को 20,208 करोड़ रूपए से अधिक राशि का भुगतान किया गया है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान विक्रय का लाभ पूर्व में धान बेच चुके किसानों को भी मिलेगा। इसका आशय यह है कि एक नवम्बर से अब तक पूर्व निर्धारित मात्रा के अनुरूप धान बेच चुके किसान, शेष मात्रा का धान, उपार्जन केन्द्र में 31 जनवरी तक बेच सकेंगे। खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में राज्य के किसानों से इस साल 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से होने से किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान बेचने पर 65,100 रूपए मिलेगा।

कार्यालय पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्रमांक-उमनि/वपुअ/बभा/एसी/एम-107/2024 बलौदाबाजार, दिनांक 08/01/2024

छत्तीतसगढ़ के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मुहरबंद लिफाफा पद्धति से लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीकृत प्रणाली के अंतर्गत डी-वर्ग एवं उच्च वर्ग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न दर्शित कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति में (निविदा दर एवं अमानत राशि) प्रतिशत के आधार पर पंजीकृत पावती युक्त डाक, स्पीड पोस्ट, हाथों-हाथ से आमंत्रित की जाती है।

01. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि - 17.01.2024 के 03.00 बजे
02. निविदा फार्म प्राप्ति की अंतिम तिथि - 19.01.2024 के 03.00 बजे
03. निविदा खोले जाने की अंतिम तिथि - 19.01.2024 के 04.00 बजे

क्रं.	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	धरोहर राशि
01	एम्युनेशन एवं एक्सप्लोसिव के भण्डारण हेतु मैग्जीन भवन का निर्माण कार्य	20.00 लाख	60000/-

नोट- 1. प्रत्येक कार्य के निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/- रु. होगा।
2. सूची में दर्शित कार्यों को पूर्ण करने की अवधि 03 माह की होगी।
3. उपरोक्त कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी प्रभावी अनुसूची दर 01.01.2015 प्रभावशील होगी।

निर्माण कार्य के निविदा के संबंध में अन्य जानकारी/शर्तें कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकता है।

पुलिस उप महानिरीक्षक
एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
जिला बलौदाबाजार-भाटापारा

जी-07004/3

भारत-नेपाल संबंध नई ऊँचाई पर

प्रवीण गुगनानी

हमारे विदेश मंत्री एस जयशंकर वर्ष दो हज़ार चौबीस की अपनी पहली यात्रा में नेपाल गये। समय बड़ा ही प्रासंगिक है, जिसे कि परफ़ेक्ट टाइमिंग कहा जाता है। इधर अयोध्या में नेपाल से आई शालिग्राम शिलाओं से शिल्पित मूर्तियों का पूजन प्रारंभ होना है और उधर एस. जयशंकर काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में ? नमः शिवाय कर आये। एक ऐसा देश जो आज भी अपनी मानसिकता से एक हिंदू राष्ट्र है, एक ऐसा देश जहां गौवंश हत्या प्रतिबंधित है, एक ऐसा देश जहां धर्मांतरण प्रतिबंधित है और एक ऐसा देश जिसकी सीमाएं हमारे पांच राज्यों से मिलती हों; उससे हमारे केवल कूटनीतिक ही नहीं अपितु सभी प्रकार के संबंध सुदृढ़ होना ही चाहिये। अट्ठारह सौ पचास किमी की सांझी सीमा वाले भारत और नेपाल वस्तुतः एक ही संस्कृति, भाषा, धर्म, इतिहास, पूर्वज वाले देश हैं। कुछ समय पूर्व तक चीन के संक्रमण में चल रहे नेपाल की यह भारतीय विदेश मंत्री की आधिकारिक यात्रा अनेक दृष्टियों से एक इतिहास लिखने जा रही है। सबसे बड़ी बात यही है कि, नेपाल अब पुनः भारतोन्मुखी हो रहा है। एस जयशंकर ने नेपाल में एक पुस्तकालय, पच्चीस विद्यालय, बत्तीस स्वास्थ्य परियोजनाओं व एक सांस्कृतिक विरासत क्षेत्र परियोजना का शुभारंभ किया है। चीनी ड्रैगन को झटका देते हुए भारत ने नेपाल के साथ एक बड़े ऊर्जा समझौते को आगे बढ़ा लिया है। भारत नेपाल के मध्य दस हज़ार मेगावाट की बिजली क्रय करने के इस समझौते पर बीजिंग लगातार गिद्ध दृष्टि गड़ाये हुए था व इस अनुबंध का मुखर विरोध कर रहा था और नेपाल को भयभीत भी कर रहा था। भारत के सहयोग से कई हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट विकसित करने वाले नेपाल के साथ अब भारत आगे भी नेपाल के साथ ऊर्जा परियोजनाओं को प्रारंभ करने का मार्ग खोल चुका है। रोटी और बेटी के संबंध वाले भारत नेपाल के हाइड्रोपाइवर सेक्टर पर चीन की तिरछी नज़र कई वर्षों से लगी हुई थी। इसी हाइड्रोपॉवर पर नज़र गड़ाये चीन ने बड़ी सक्रियता से बेल्ट एंड रोड नाम की चीनी पहल के माध्यम से नेपाल में सड़कें बनाई हैं। भारतीय विदेश नीति ने हाल ही में किए गये अपने प्रयासों से नेपाल के हाइड्रोपॉवर का दोहन करने का अपना तंत्र बड़ी ही प्रभावशाली रीति नीति से विकसित करके चीन को मात दे दी है। अब नेपाल की छः हज़ार नदियों के तंत्र से बनी बयालीस हज़ार किलोवॉट बिजली उत्पादन क्षमता का भारत द्वारा व्यवस्थित उपयोग किया जा सकेगा। फॉरेन पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, चीन और भारत के रूप में एशिया की दो बड़ी ताकतों के बीच नेपाल खुद को असहज पाता है; किंतु यह सत्य नहीं है। नेपाल चीन के साथ असहज है क्योंकि उसके साथ नेपाल अर्थशक्ति व सैन्यशक्ति के दबाव में रहता है व उनके संबंध कृत्रिम हैं जबकि भारत नेपाल की ओर सहज सहोदर की दृष्टि से देखता है और इसी अनुरूप आचरण भी करता है। अब के दौर में अवश्य चीन व भारत के मध्य नेपाल पर प्रभाव को लेकर प्रतिद्वंद्विता का वातावरण बना हुआ है। 6000 नदियों के साथ नेपाल के पास 42,000 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता है। नेपाल व भारत का संबंध तो वैदिक काल से रहा है। वेदों में व अन्य प्राचीनतम शास्त्रों में भारत के ही एक अंग के रूप नेपाल का उल्लेख होता रहा है। नेपाल व भारत की सांझी ऐतिहासिक विरासत इस प्रकार की है कि नेपाल स्वयं को भारत से दूर कर ही नहीं सकता है। मध्य मध्य में नेपाल के कुछ राष्ट्राध्यक्षों के कार्यकाल में, चीन के कूटनीतिक प्रभाव ने अपना रंग अवश्य दिखाया था। नेपाल भारत की जनता मानसिकता के स्तर पर इस प्रकार जुड़ी हुई है कि नेपाली शासन द्वारा चीन की ओर बढ़ाये गये कदमों को उन्हें वापिस लेना ही पड़ता है। भारत की ओर से नेपाल संग संबंधों को आर्थिक, कूटनीतिक, सामरिक, सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक आधार देने हेतु समय समय पर बड़प्पन भरे कदम उठाये जाते रहे हैं। पिछले ही वर्ष भारत ने इस दिशा में एक ओर बड़ा कदम उठाया था जब हमने अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के विग्रहों के निर्माण हेतु शालिग्राम की बड़ी बड़ी शिलाएं नेपाल के पोखरा की गंडकी नदी से निकलवाकर बुलवाई थी। अयोध्या जो कि शीघ्र ही भारत की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में समूचे विश्व में प्रसिद्ध होने वाला है, वहां के मंदिरों में, मूर्ति निर्माण हेतु, नेपाल के पत्थर का उपयोग निश्चित ही भारत-नेपाल के संबंधों को एक सांस्कृतिक आधार प्रदान करेगा।

मुस्लिम बाहुल्य सीटें विपक्ष की पसंद?

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का ग्राफ लगातार ऊपर जा रहा है। बीजेपी का यूपी में चुनाव दर चुनाव जीतना इसकी एक बड़ी बानगी है। बीते दस वर्षों से यूपी में बीजेपी कोई बड़ा चुनाव नहीं हारी है। इसी के चलते बीजेपी के टिकट के लिय मारामारी भी खूब हो रही है। यूपी में आम चुनाव लड़ने और आसानी से जीत जाने की संभावना सिर्फ बीजेपी में दिखाई दे रही है। अन्य दलों के उम्मीदवारों के लिए इसका उलट है। गैर बीजेपी दलों के अन्य नेताओं की बात छोड़ भी दी जाये तो पार्टी के दिग्गजों के लिये भी यहां से चुनाव लड़ना और जीतना आसान नहीं रह गया है। इसी के चलते कई नेताओं ने यूपी से किनारा कर लिया है, इनमें राहुल गांधी जैसे कांग्रेस के दिग्गज नेता भी शामिल हैं। राहुल गांधी अपने परिवार के परम्परागत अमेठी लोकसभा चुनाव को छोड़कर केरल की मुस्लिम बाहुल्य वॉयनाड लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने चले गये। 2014 के लोकसभा चुनाव में वाराणसी लोकसभा सीट से मोदी को चुनौती देने आये आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने भी वाराणसी में मिली करारी हार के पश्चात यूपी से मुंह मोड़ लिया है। बीजेपी की यूपी में इतनी तूती बोल रही है कि प्रियंका वाड्रा गांधी तक यहां से चुनाव लड़ने का साहस नहीं कर पा रही हैं जबकि कांग्रेसी प्रियंका गांधी वाड्रा को गांधी परिवार की सबसे सुरक्षित रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ाने का लगातार शिगूफा छोड़ रहे हैं। कहा जा रहा है कि रायबरेली की मौजूदा सांसद सोनिया गांधी स्वास्थ्य कारणों से लोकसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहती हैं। रायबरेली गांधी परिवार का अजेय दुर्ग माना जाता है। 2024 के महासमर में उत्तर प्रदेश की इकलौती बची सीट को बचाए रखने के लिए कांग्रेस सब कुछ दांव पर लगाने को तैयार है। पिछले चुनाव में अमेठी गंवाने के बाद पार्टी इस बार रायबरेली को लेकर पार्टी कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। लगातार पांच बार से चुनाव जीत रहीं सोनिया गांधी इस बार स्वास्थ्य कारणों से ज्यादा सक्रिय नहीं हैं। वहीं, भाजपा अमेठी जीतने के बाद अब रायबरेली में भी कमल खिलाने की तैयारी में है।

प्रियंका के लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावना के बारे में सांसद प्रतिनिधि किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। हां, इसमें संदेह नहीं कि रायबरेली से गांधी परिवार का ही सदस्य चुनाव लड़ेगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहा कि पूरी संभावना है कि इस बार प्रियंका गांधी वाड्रा ही रायबरेली से लड़ेंगी। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस संगठन में फेरबदल रायबरेली को लेकर भी बड़ा संकेत दे रहा है। लोकसभा चुनाव को लेकर प्रदेश में कांग्रेस की गठबंधन रणनीति भले ही अभी साफ न हो मगर पार्टी महासचिव और पूर्व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा का रायबरेली से चुनाव लड़ना लगभग तय माना जा रहा है, लेकिन मोदी मैजिक में रायबरेली भी अब कांग्रेस के लिये सुरक्षित नहीं रह गई है। जो हाल कांग्रेस के दिग्गजों का है वही हाल कमोवेश समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का भी है। वह भी अपने लिये मुस्लिम बाहुल्य सीट तलाश रहे हैं, ताकि जीत की राह में कोई बाधा नहीं आये। इसके लिये सपा प्रमुख अखिलेश यादव को आजमगढ़ लोकसभा सीट काफी मुफीद लग रही है। हालांकि लोकसभा चुनाव के लिए इंडी गठबंधन के सहयोगी दलों में अभी सीटों का बंटवारा नहीं हुआ है, किंतु समाजवादी पार्टी ने अखिलेश के साथ-साथ करीब डेढ़ दर्जन सीटों पर अपने संभावित उम्मीदवार लगभग तय कर लिए हैं।

आजमगढ़ लोकसभा सीट से एक बार फिर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव चुनाव लड़ सकते हैं, यह खबर चर्चा में आते ही वहां सरगर्मी तेज हो गई है। बता दें पहले अखिलेश कन्नौज से चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में जुटे थे, लेकिन वहां अखिलेश का दिल नहीं कर रहा है। इसी के चलते वह अब मुस्लिम व यादव बाहुल्य आजमगढ़ सीट से चुनाव लड़ने काम मन बना रहे हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भी वे यहीं से सांसद चुने गए थे, लेकिन बाद में उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से त्यागपत्र देकर विधान सभा चुनाव लड़ा और जीतने के बाद अब अखिलेश विधान सभा के सदस्य और नेता प्रतिपक्ष हैं। आजमगढ़ लोकसभा सीट हमेशा सपा के लिए पहले से मजबूत रही है। यहां पर वर्ष 2014 व 2019 के चुनाव में मोदी लहर के बावजूद सपा को जीत हासिल हुई थी। वर्ष 2014 में मुलायम सिंह यादव व 2019 में अखिलेश यादव चुनाव जीते थे। अखिलेश के इस्तीफे के बाद हुए उप-चुनाव में बीजेपी यहां से चुनाव जीती थी और समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी तीसरे नंबर पर रहा था जबकि बसपा प्रत्याशी दूसरे नंबर पर आये थे। 2022 का विधानसभा चुनाव करहल से जीतने के बाद अखिलेश ने आजमगढ़ लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद रिक्त सीट पर हुए उपचुनाव में अखिलेश ने अपने चचेरे भाई धर्मेन्द्र यादव को मैदान में उतारा था, परंतु उन्हें तीसरे नंबर पर संतोष करना पड़ा था। बीजेपी ने यहां पर दिनेश लाल यादव निरहुआ को टिकट दिया था। तीसरे प्रत्याशी बसपा के गुड्डू जमाली मैदान में थे। त्रिकोणीय लड़ाई में मुस्लिम मतों में बिखराव हुआ और यही सपा की हार का कारण बन गया।

राजनीति के जानकारों के अनुसार अखिलेश अपने मूल मतदाता यादव-मुस्लिम में बिखराव को बचाने के लिए यहां से चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। कन्नौज से भी अखिलेश चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, किंतु आजमगढ़ के राजनीतिक समीकरण उन्हें कहीं अधिक सुरक्षित लग रहे हैं। यहां के सभी पांचों विधायक सपा के हैं। कन्नौज से पिछला लोकसभा चुनाव अखिलेश की पत्नी डिंपल यादव हार चुकी हैं। इसके साथ ही सपा अब तक करीब डेढ़ दर्जन संभावित उम्मीदवारों के नाम लगभग तय कर चुकी है। मैनपुरी से एक बार फिर डिंपल यादव अपने ससुर मुलायम सिंह यादव की राजनीतिक विरासत संभालेंगी तो घोसी से सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव राय चुनाव लड़ सकते हैं। इसी तरह फतेहपुर से प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, फर्रूखाबाद से डॉ. नवल किशोर शाक्य, बदायूं से धर्मेन्द्र यादव, फिरोजाबाद से अक्षय यादव, अंबेडकरनगर से लालजी वर्मा, फैजाबाद से अवधेश प्रसाद, कौशांबी से इंद्रजीत सरोज, उन्नाव से अनु टंडन के नाम पर सहमति बन गई है। इसी प्रकार मुरादाबाद से मौजूदा सांसद एसटी हसन, बस्ती से राम प्रताप चौधरी, गोरखपुर से काजल निषाद, गाजीपुर से अफजाल अंसारी और सलेमपुर से रमाशंकर विद्यार्थी का टिकट लगभग पक्का है।

दरअसल, समाजवादी पार्टी पूर्वांचल में बीजेपी की कमजोर नस दबाना चाहती है। इसकी वजह साफ है। भारतीय जनता पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में देश भर में भारी जीत हासिल की थी। इसके बाद भी पूर्वांचल के वाराणसी, मिर्जापुर व आजमगढ़ मंडल की एक दर्जन सीटों में पार्टी का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। भाजपा आजमगढ़, लालगंज, गाजीपुर, जौनपुर सीट हार गई थी, वहीं साथ ही कई सीटें मामूली अंतर से जीती थी। इसके बाद कुछ सीटों के समीकरण विधानसभा चुनाव 2022 के बाद बदल गए हैं। इसमें से एक सीट भदोही भी है। अब अगर इंडी गठबंधन पक्का हो गया तो समाजवादी पार्टी, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के वोट मिलकर भाजपा के लिए मुश्किल खड़ा कर सकते हैं।

खैर, यह सिक्के का एक पहलू है, इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि जब मुस्लिम वोटों के लिए गैर बीजेपी दल एकजुट होंगे तो प्रतिक्रिया स्वरूप हिन्दू वोटरों का भी ध्रुवीकरण हो सकता है। ऐसा हुआ तो बीजेपी की राह 2019 से भी ज्यादा आसान हो जायेगी। इसी को ध्यान में रखकर गैर बीजेपी दल एक तरफ मुसलमानों को लुभाने में लगे हैं तो दूसरी ओर अपने आप को राम भक्त होने का प्रमाण भी दे रहे हैं, इसके लिए उनके द्वारा वह सब किया जा रहा है जो हिन्दू वोटरों को प्रभावित कर सकता है। इसके साथ एक साजिश यह भी हो रही है कि किसी भी तरह से हिन्दुओं में जातिवाद के नाम पर फूट डाली जा सके। अगड़े-पिछड़ों, दलितों सबको आपस में लड़ाया जाये, इसीलिए अखिलेश यादव द्वारा पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यकों को एक छतरी के नीचे लाने की कोशिश की जा रही है। अगड़ों को गाली देने वाले नेताओं स्वामी प्रसाद मौर्या और आजाद पार्टी के चन्द्रशेखर उर्फ रावण आदि को गले लगाया जा रहा है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

प्राणाग्निहोत्रोपनिषद्

यह उपनिषद् कृष्णयजुर्वेदीय परम्परा से सम्बद्ध है। इस उपनिषद् का मूल प्रयोजन चित्त शुद्धि है, जिसके द्वारा ब्रह्मज्ञान सहज प्राप्य है। इस उपनिषद् में सर्वप्रथम शारीर यज्ञ के विषय में स्पष्टीकरण देने की घोषणा तथा उसका प्रतिफल (सांख्य आदि दर्शनों के ज्ञान के बिना निवृत्ति-मोक्ष की प्राप्ति सम्भव है) वर्णित है। तत्पश्चात् बाह्य प्राणाग्निहोत्र का प्रयोग स्पष्ट किया गया है। तदुपरान्त शारीराग्नि दर्शन नामक अपर-ब्रह्मविद्या का स्वरूप विवेचित हुआ है। शारीराग्नि विद्या द्वारा शारीर यज्ञ का निरूपण अगले क्रम में है। अन्त में इस प्राणाग्निहोत्र विद्या के पठन-पाठन की महत्ता बताते हुए कहा गया है कि इस उपनिषद् का अध्येता एक ही जन्म में चित्त शुद्धि तथा (परिणाम स्वरूप) मोक्ष की प्राप्ति कर लेता है। इसी के साथ उपनिषद् पूर्ण हो गई है।

अब समस्त उपनिषदों का सारभूत सांसारिक ज्ञान से परे (प्राणाग्निहोत्रोपनिषद् के अन्तर्गत) अन्त्रसूक्त एवं शारीर यज्ञ की व्याख्या प्रारम्भ की जाती है। जिस पुरुष-शरीर की जानकारी प्राप्त कर लेने के पश्चात् अग्निहोत्र के बिना और सांख्य आदि दर्शनों के ज्ञान के बिना ही संसार से निवृत्ति अर्थात् मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। अपनी विधि के अनुसार पृथ्वी पर (निर्मित की गई वेदिका पर) अन्न को रखकर तत्पश्चात् नीचे लिखे (या ओषधयः.....। या फलिनीर्याः (अन्नपतेऽन्नस्य....। यदन्नमग्निर्बहुधा.....। इन दो ऋचाओं से अभिमंत्रित करना चाहिए। जीवला नघारिषां ..... 1) इन तीन मंत्रों तथा अब उपर्युक्त वर्णित तीन व दो ऋचाओं का क्रमानुसार अर्थ लिखते हैं- या जो ओषधियों के अधिष्ठाता देव सोम हैं। वे प्रधान शतवीर्य, बहुशाखा वाले सैकड़ों रोगों को विभिन्न तरह से विनष्ट करने में सक्षम हैं। ये विशिष्ट गुणों से युक्त ओषधियाँ बृहस्पति (देवों के आचार्य) द्वारा तैयार (उत्पन्न) की गई हैं। ये ओषधियाँ हमें पापों-रोगों से मुक्ति प्रदान करें। जो फलों से युक्त, फलों से रहित, पुष्प युक्त एवं पुष्प रहित ऐसी ये समस्त ओषधियाँ बृहस्पति-प्रसूत (विशेषज्ञ वैद्य द्वारा प्रादुर्भूत) हैं, ये ओषधियाँ हमें रोगों पापों से मुक्ति प्रदान करें।

क्रमशः ...

अनूठा था पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री का राष्ट्रप्रेम

ललित गर्ग

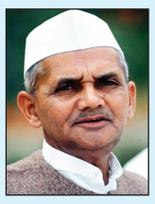

भारतीय राजनैतिक जीवन में शुद्धता की, मूल्यों की, आदर्श की एवं सिद्धांतों पर अडिग रहकर न झुकने, न समझौता करने के आदर्श को जीने वाले महानायक एवं दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का निर्वाण दिवस 11 जनवरी 2023 को है। भारतीय राजनीति के महानायक, अजातशत्रु, स्वतंत्रता सेनानी श्री शास्त्री ने अपनी ईमानदारी, राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा, सादगी, सरलता एवं निस्वार्थ देशसेवा से न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हुए थे। उनका राष्ट्रप्रेम और देश के लिए कुछ अनूठा करने की इच्छा ही थी, जो उन्हे देश के स्वाधीनता संग्राम की ओर खींच लाई। उन्होंने कई स्वतंत्रता संग्रामों में हिस्सा लिया और निस्वार्थ भाव से देश की सेवा की। अपनी कर्तव्यनिष्ठा और देशप्रेम के बदौलत वह उस समय के महत्वपूर्ण नेताओं में से अग्रणी बन गये थे। ना सिर्फ आम जनता बल्कि कांग्रेस के दूसरे नेता भी उनका काफी आदर करते थे, उनके विचारों एवं सुझावों को अपनाते थे। यही कारण था कि सर्वमत द्वारा उन्हें देश का दूसरा प्रधानमंत्री चुना गया।

भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान शास्त्रीजी 9 साल तक जेल में रहे थे। असहयोग आंदोलन के लिए पहली बार वह 17 साल की उम्र में जेल गए, लेकिन बालिग ना होने की वजह से उन्हें छोड़ दिया गया था। भारत की स्वतन्त्रता के पश्चात शास्त्रीजी को उत्तर प्रदेश के संसदीय सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। गोविंद बल्लभ पंत के मन्त्रिमण्डल में उन्हें पुलिस एवं परिवहन मन्त्रालय सौंपा गया। परिवहन मन्त्री के कार्यकाल में उन्होंने प्रथम बार महिला संवाहकों की नियुक्ति की थी। उन्होंने भीड़ को नियन्त्रण में रखने के लिये लाठी की जगह पानी की बौछार का प्रयोग प्रारम्भ कराया। 1951 में जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में वह अखिल भारत काँग्रेस कमेटी के महासचिव नियुक्त किये गये।

लालबहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को मुगलसराय (वाराणसी) में एक कायस्थ परिवार में मुंशी शारदा प्रसाद श्रीवास्तव के यहाँ हुआ था। शास्त्रीजी सच्चे गांधीवादी थे जिन्होंने अपना सारा जीवन सादगी से बिताया और उसे गरीबों की सेवा में लगाया। भारतीय स्वाधीनता संग्राम के सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों व आन्दोलनों में उनकी सक्रिय भागीदारी रही।

जवाहरलाल नेहरू के देहावसान के बाद साफ सुथरी छवि के कारण शास्त्रीजी को 1964 में देश का प्रधानमन्त्री बनाया गया। उन्होंने 9 जून 1964 को भारत के प्रधानमन्त्री का पद भार ग्रहण किया तब से 11 जनवरी 1966 को अपनी मृत्यु तक लगभग अठारह महीने भारत के प्रधानमन्त्री रहे। इस प्रमुख पद पर उनका कार्यकाल अद्वितीय एवं अनूठा रहा।

मालदीव ने नासमझी की है या होशियारी दिखाई है...

ललित गर्ग

नववर्ष पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लक्षद्वीप की यात्रा पर क्या गये, चीन की कटपुतली बने मालदीव को मिर्ची लग गयी। वहां की नई सरकार और वहां के तमाम लोग इसे अपने पर्यटन उद्योग के लिये गंभीर खतरा मानते हुए भारत एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आपत्तिजनक एवं गैर-जिम्मेदार टिप्पणियां कर दी, नासमझी में की गयी ये टिप्पणियां मालदीप के लिये इतनी भारी पड़ गयी कि भारतीय पर्यटकों ने जहां अपनी मालदीप की यात्रा को रद्द करना प्रारंभ कर दिया, वहीं भारत सरकार की तरफ से भी ऐतराज जताया गया। भारत की त्वरित कार्रवाई को देखकर मालदीप सरकार घबरा गयी और उसने अपने मंत्रियों के बयान से किनारा कर लिया लेकिन साफ है कि भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराने प्रेम एवं सौहार्द के रिश्ते एकाएक तल्ख होते दिखाई दे रहे है। मालदीव की तरफ से लगातार तनाव बढ़ाने वाले बयान आ रहे हैं लेकिन भारत की तरफ से फिर भी संतुलित नीति अपनाई जा रही है। मोदी की लक्षद्वीप यात्रा का उद्देश्य कत्तई किसी भी देश के पर्यटन को नुकसान पहुंचाना नहीं है, बल्कि अपने देश में पर्यटन की नई संभावनाओं को तलाशना है।

भारत ऐतिहासिक, सामाजिक-सांस्कृतिक-प्राकृतिक पर्यटन से समृद्ध देश है। मोदी के करिश्माई व्यक्तित्व का ही परिणाम है कि लुप्तप्रायः भारत के पर्यटन को नया जीवन एवं ऊर्जा मिल रही है। मोदी ने लक्षद्वीप दौरे के साथ ही वहां के पर्यटन को प्रोत्साहित किया। इसकी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए उन्होंने कहा था कि हमारे पास भी खूबसूरत समुद्र तट है। इसी के साथ उन्होंने कहा था कि जो लोग रोमांच को पसंद करते है, लक्षद्वीप उनकी टॉप लिस्ट में होना चाहिए। इसके बाद गूगल पर अचानक लक्षद्वीप को सर्च करने वालों की संख्या

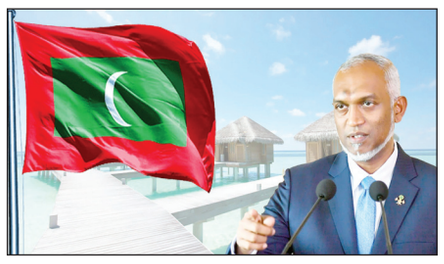

बढ़ गई। इसी के साथ सोशल मीडिया पर लक्षद्वीप की खूबसूरत तस्वीरे पोस्ट की जाने लगी। यह बहस चल पड़ी कि जब देश में इतनी खूबसूरत जगह है तो अपनी छुट्टी मनाने कहीं और क्यों जाएं? लोगों को मालदीव की बजाय लक्षद्वीप जाना चाहिए। इससे खफा होकर मालदीव के मोहम्मद मुइज्जु मंत्रीमंडल के तीन मंत्रियो मरियम शिउना, मालशा और हसन जिहान ने जो आपत्तिजनक टिप्पणी की और वहां की सरकार को स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अपने इन तीनों मंत्रियों को हटाना पड़ा है। पर्यटन ही मालदीव की आय का सबसे बड़ा स्रोत है। भारत से करीब दो लाख से ज्यादा लोग हर साल मालदीव की यात्रा करते हैं। मालदीव में मौजूद भारतीय हाई कमिशन के आंकड़ों को मानें तो साल 2022 में 2 लाख 41 हजार और 2023 में करीब 2 लाख लोगों ने मालदीव की यात्रा की है। ऐसे में यदि लक्षद्वीप जैसे भारत के द्वीपों को प्रमोट किया जाता है तो जाहिर है कि भारत से मालदीव जाने वाले लोगों की संख्या में कमी आएगी, जिसका विपरीत असर वहां के टूरिज्म एवं आर्थिक व्यवस्था पर पड़ेगा।

असल में भारत के लोग सैर-सपाटे के शौकीन हैं और इसके लिए वे विदेश जाते हैं तो इससे देश की आर्थिक व्यवस्था पर व्यापक प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं। बड़ी मात्रा में देश की धनराशि तत्काल बाहर जाती है। स्थानीय पर्यटन को प्रोत्साहन देकर यह धनराशि देश में ही रोकी जा सकती है, इससे स्थानीय उद्यमों को प्रोत्साहन, रोजगार सृजन और अंततः जीडीपी को बढ़ावा दिया जा सकता है। विदेशी पर्यटन पर खर्च से न केवल घरेलू आर्थिक गतिविधियों की गति बढ़ाने का अवसर गंवा दिया जाता है, बल्कि व्यापार घाटा भी बढ़ सकता है। वहीं घरेलू पर्यटन स्थलों का अपेक्षित दोहन नहीं होने से उन क्षेत्रों में सभांवित निवेश प्रभावित होता है। वहां विकास गतिविधियां थम सकती हैं, जिससे स्थानीय आर्थिकी सिकुड़ सकती है। वर्तमान भाजपा सरकार इन स्थितियों पर लम्बे समय से ध्यान दे रही है। उसने पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिये व्यापक योजनाएं बनाई है। 'देखो अपना देश' और 'स्वदेश दर्शन योजना' के मूल में घरेलू पर्यटन को बढ़ाना देना ही है। थीम आधारित टूरिस्ट सर्किट भी इसी उद्देश्य को पूर्ति के लिए विकसित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में ईको पर्यटन और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'अमृतं धरोहर' जैसी पहल की गई है। राज्य सरकारों को भी इसके लिए अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करने होंगे। स्थानीय कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और उत्पादों के आधार पर वे पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं। उन्हें सैलानियों की सुविधाओं के साथ ही सुरक्षा, विशेषकर दूर-दराज के इलाकों में उन्हें सुरक्षा कवच प्रदान करना होगा। पर्यटन के स्तर पर नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं। हम विदेश में तो कड़े नियमों का पालन करते हैं, लेकिन अपने देश में नियम तोड़ते रहते हैं। याद रहे कि सबका साथ-सबका विकास में सबका प्रयास ज्यादा महत्वपूर्ण एवं प्रभावकारी है। भारत का पर्यटन क्षेत्र विपुल संभावनाओं से भरा है। इससे जुड़ी संभावनाओं को भुनाने से न केवल हमारी विरासत सशक्त होगी, बल्कि आर्थिक वृद्धि और सांस्कृतिक संरक्षण के साथ ही राष्ट्रीय गौरव भी बढ़ेगा।

भारत का पड़ोसी देश मालदीव हिंद महासागर पर बसा है और इस कारण यह सुरक्षा की दृष्टि से भी अहम है। यहां की नई सरकार चीन के करीब दिख रही है और चीन अपने मनसूंबो को पूरा करने के लिये गलत रास्तों पर ढकेल रहा है। मालदीव के नए राष्ट्रपति ने तो अपने चुनाव प्रचार में ही 'इंडिया आउट' का नारा दिया था। विदेश मामलों के जानकार हर्ष वी. पंत का भी मानना है कि अगर तल्खी बढ़ती है तो हिंद महासागर रीजन की सिक्योरिटी भारत के लिए परेशानी का सबब बन सकती है। चीन हमारे रिश्तों की तल्खी का फायदा उठाने की कोशिश कर सकता है। जिसका भारत खयाल रखेगा। इसलिए भारत सरकार की तरफ से संतुलित नीति पर बल दिया जाता रहा है, जबकि मालदीव की तरफ से तो लगातार काफी कुछ गलत कहा जा रहा है। चीन की शह पर भारत को आंख दिखाने की कोशिश होती रही है। लेकिन मोदी ने उनकी इन कुचेष्टाओं को निस्तेज करने के लिये लक्षद्वीप का सहारा लिया है। लक्षद्वीप देश में सबसे शांत स्थानों में से सुंदर और एक है। यहां कुल 36 द्वीप, 12 एटोल और तीन चट्टानें हैं। निश्चित ही मोदी की इस यात्रा के बाद लक्षद्वीप में बड़े पैमाने पर पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिये व्यापक प्रयत्न होंगे। प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर बॉयकाट मालदीव ट्रेंड होने लगा। इस हैशटैग के साथ लोगों के ऐसे पोस्ट की बाढ़ आ गई, जिसमें वे मालदीप और लक्षद्वीप की तुलना करते हुए लक्षद्वीप को बेहतर बता रहे हैं। न सिर्फ भारत के आम लोग, बल्कि सेलिब्रिटी भी अब मैदान में हैं और पीएम मोदी और भारत के बारे में कही गई मालदीव के नेता की टिप्पणी का पुरजोर विरोध कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि देश पहले है, देश का सम्मान एवं विकास पहले हैं। हमारा लक्षद्वीप किसी से कम नहीं है।

आज का इतिहास

1892 हवाई ऐतिहासिक सोसायटी की स्थापना की गयी।
1922 डायबटीज के मरीजों को पहली इंसुलिन दी गई।
1923 फ्रांस और बेल्जियम के सैनिकों ने प्रथम विश्व युद्ध के बाद में जर्मन वीमार गणराज्य को मजबूर करने के लिए रुहर क्षेत्र पर आक्रमण किया।
1946 अल्बानिया की पार्टी ऑफ लेबर के पहले सचिव एनवर होक्सा ने खुद के साथ पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ अल्बानिया घोषित किया।
1949 लॉसएंजिल्स में सबसे ज्यादा हिमपात होने का रिकॉर्ड दर्ज किया गया।
1954 बाल मजदूरी के खिलाफ आवाज उठाने वाले नोबल विजेता कैलाश सत्यार्थी का जन्म हुआ।
1962 पेरू के उत्तर पश्चिम हिस्से में बर्फीले तूफान और चट्टान खिसकने से 2,000 लोगों की मौत हुई।
1964 एक ऐतिहासिक रिपोर्ट में, अमेरिकी सर्जन जनरल लुथर टेरी ने चेतावनी जारी की कि धूम्रपान किसी के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है, यह निष्कर्ष निकालता है कि फेफड़े के कैंसर, क्रोनिक ब्रोंकाइटिस, वातस्फीति और अन्य बीमारियों में इसकी एक प्रेरक भूमिका है।
1972 पूर्वी पाकिस्तान बांग्लादेश के रूप में स्वतंत्र देश बना।
1986 ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया में गेटवे ब्रिज, उस समय दुनिया में सबसे लंबे समय तक चलने वाले कंक्रीट मुक्त-कैंटिलीवर पुल को खोला गया था।
1992 सांस्कृतिक बहिष्कार के अंत के बाद गायक पॉल साइमन दक्षिण अफ्रीका का दौरा करने वाला पहला प्रमुख कलाकार था।
1998 टिम एलन सीनफील्ड में 24 वें वार्षिक पीपुल्स च्वाइस अवार्ड्स जीते।
1998 76 प्रदर्शनों के बाद प्रस्ताव न्यूयॉर्क शहर के ब्रॉडहर्स्ट थियेटर में बंद हो गया।
2007 2007 में, 11 जनवरी को वियतनाम विश्व व्यापार संगठन का 150 वां सदस्य बना।
2008 माउन्ट एवरेस्ट के प्रथम आरोहनकर्ता और समाजसेवी सर एडमंड हिलारी का निधन हुआ।

राष्ट्र के पुनर्निर्माण का आधार बनेगा राम मंदिर

प्रो. डॉ. संजय द्विवेदी

आज पूरी दुनिया उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रही है। दुनिया में कोई भी देश हो, अगर उसे विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचना है, तो उसे अपनी विरासत को संभालना ही होगा। हमारी विरासत, हमें प्रेरणा देती है, हमें सही मार्ग दिखाती है। इसलिए आज का भारत, पुरातन और नूतन दोनों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है। एक समय था जब अयोध्या में राम लला टेंट में विराजमान थे, लेकिन आज राम मंदिर का भव्य निर्माण हो रहा है। राम मंदिर का निर्माण एक अनथक संघर्ष का प्रतीक है। अयोध्या यानि वह भूमि जहां कभी युद्ध न हुआ हो। ऐसी भूमि पर कलयुग में एक लंबी लड़ाई चली और त्रेतायुग में पैदा हुए रघुकुल गौरव भगवान श्रीराम को आखिरकार छत नसीब होने वाली है। राजनीति कैसे साधारण विषयों को भी उलझाकर मुद्दे में तब्दील कर देती है, रामजन्मभूमि का विवाद इसका उदाहरण है। आजादी मिलने के समय सोमनाथ मंदिर के साथ ही यह विषय हल हो जाता तो कितना अच्छा होता। आक्रमणकारियों द्वारा भारत के मंदिरों के साथ क्या किया गया, यह छिपा हुआ तथ्य नहीं है। किंतु उन हजारों मंदिरों की जगह, अयोध्या की जन्मभूमि को नहीं रखा जा सकता। एक ऐतिहासिक अन्याय की परिणति आखिरकार ऐतिहासिक न्याय ही होता है। यह बहुत संतोष की बात है कि भारत की न्याय प्रक्रिया के तहत आए फैसले से मंदिर का निर्माण संपन्न हुआ है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अर्थ में गौरवशाली हैं कि उनके कार्यकाल में इस विवाद का सौजन्यतापूर्ण हल निकल सका और मंदिर निर्माण हो सका।

इस आंदोलन से जुड़े अनेक नायक आज दुनिया में नहीं हैं। उनकी स्मृति आती है। मुझे ध्यान है उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के नेता और मंत्री रहे श्री दाऊदयाल खन्ना ने मंदिर के मुद्दे को आठवें दशक में जोरशोर से उठाया था। उसके साथ ही श्री अशोक सिंहल जैसे नायक का आगमन हुआ और उन्होंने अपनी संगठन क्षमता से इस आंदोलन को जनांदोलन में बदल दिया। संत रामचंद्र परमहंस, महंत अवैद्यनाथ जैसे संत इस आंदोलन से जुड़े और समूचे देश में इसे लेकर एक भावभूमि बनी। तब से लेकर आज तक सरयू नदी ने अनेक जमावड़े और कारसेवा के प्रसंग देखे हैं। सुप्रीम कोर्ट के सुप्रीम फैसले के बाद जिस तरह का संयम हिंदू समाज ने दिखाया वह भी बहुत महत्त्व का विषय है। क्या ही अच्छा होता कि इस कार्य को साझी समझ से हल कर लिया जाता। किंतु राजनीतिक आग्रहों ने ऐसा होने नहीं दिया। कई बार जिदें कुछ देकर नहीं जातीं, भरोसा, सद्भाव और भाईचारे पर ग्रहण जरुर लगा देती हैं।

दुनिया के किसी देश में यह संभव नहीं है उसके आराध्य इतने लंबे समय तक मुकदमों का सामना करें। किंतु यह हुआ और सारी दुनिया ने इसे देखा। यह भारत के लोकतंत्र, उसके न्यायिक-सामाजिक मूल्यों की स्थापना का समय भी है। यह सिर्फ मंदिर नहीं है जन्मभूमि है, हमें इसे कभी नहीं भूलना चाहिए। विदेशी आक्रांताओं का मानस क्या रहा होगा, कहने की जरुरत नहीं है। किंतु हर भारतवासी का राम से रिश्ता है, इसमें भी कोई दो राय नहीं है। वे हमारे प्रेरणापुरुष हैं, इतिहास पुरुष हैं और उनकी लोकव्याप्ति विस्मयकारी है। ऐसा लोकनायक न सदियों में हुआ है और न होगा। लोकजीवन में, साहित्य में, इतिहास में, भूगोल में, हमारी प्रदर्शनकलाओं में उनकी उपस्थिति बताती है राम किस तरह इस देश का जीवन हैं।

राम शब्द संस्कृत की 'रम' क्रीड़ायाम धातु से बना है अर्थात हरेक मनुष्य के अंदर रमण करने वाला जो चैतन्य-स्वरूप आत्मा का प्रकाश विद्यमान है, वही राम है। राम को शील-सदाचार, मंगल-मैत्री, करुणा, क्षमा, सौंदर्य और शक्ति का पर्याय माना गया है। कोई व्यक्ति सतत साधना के द्वारा अपने संस्कारों का परिशोधन कर राम के इन तमाम सद्गुणों को अंगीकार कर लेता है, तो उसका चित्त इतना निर्मल और पारदर्शी हो जाता है कि उसे अपने अंतःकरण में राम के अस्तित्व का अहसास होने लगता है। कदाचित यही वह अवस्था है जब संत कबीर के मुख से निकला होगा,

मोको कहां ढूंढे रे बंदे, मैं तो तेरे पास में
ना मैं मंदिर ना मैं मस्जिद, ना काबे कैलास में।

राम, दशरथ और कौशल्या के पुत्र थे। संस्कृत में दशरथ का अर्थ है- दस रथों का मालिक। अर्थात पांच कर्मेंद्रियों और पांच ज्ञानेंद्रियों का स्वामी। कौशल्या का अर्थ है- 'कुशलता'। जब कोई अपनी कर्मेंद्रियों पर संयम रखते हुए अपनी ज्ञानेंद्रियों को मर्यादापूर्वक सन्मार्ग की ओर प्रेरित करता है, तो उसका चित्त स्वाभाविक रूप से राम में रमने लगता है। पूजा-अर्चना की तमाम सामग्रियां उसके लिए गौण हो जाती हैं। ऐसे व्यक्ति का व्यक्तित्व इतना सहज और सरल हो जाता है कि वह जीवन में आने वाली तमाम मुश्किलों का स्थितप्रज्ञ होकर मुस्कुराते हुए सामना कर लेता है। भारतीय जनमानस में राम का महत्व इसलिए नहीं है कि उन्होंने जीवन में इतनी मुश्किलें झेलीं, बल्कि उनका महत्व इसलिए है, क्योंकि उन्होंने उन तमाम कठिनाइयों का सामना बहुत ही सहजता से किया। उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम भी इसलिए कहते हैं, क्योंकि अपने सबसे मुश्किल क्षणों में भी उन्होंने स्वयं को बेहद गरिमापूर्ण रखा।

राम का होना मर्यादाओं का होना है, रिश्तों का होना है, संवेदना का होना है, सामाजिक न्याय का होना है, करुणा का होना है। वे सही मायनों में भारतीयता के उच्चादर्शों को स्थापित करने वाले नायक हैं। उन्हें ईश्वर कहकर हम अपने से दूर करते हैं। जबकि एक मनुष्य के नाते उनकी उपस्थिति हमें अधिक प्रेरित करती है। एक आदर्श पुत्र, भाई, सखा, न्यायप्रिय नायक हर रुप में वे संपूर्ण हैं। उनके राजत्व में भी लोकतत्व और लोकतंत्र के मूल्य समाहित हैं। वे जीतते हैं किंतु हड़पते नहीं। सुग्रीव और विभीषण का राजतिलक करके वे उन मूल्यों की स्थापना करते हैं जो विश्वशांति के लिए जरुरी हैं। वे आक्रामणकारी और विध्वंशक नहीं है। वे देशों का भूगोल बदलने की आसुरी इच्छा से मुक्त हैं। वे मुक्त करते हैं बांधते नहीं। अयोध्या उनके मन में बसती है। इसलिए वे कह पाते हैं,

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

यानि जन्मभूमि स्वर्ग से भी महान है। अपनी माटी के प्रति यह भाव प्रत्येक राष्ट्रप्रेमी नागरिक का भाव होना चाहिए। वे नियमों पर चलते हैं। अति होने पर ही शक्ति का आश्रय लेते हैं। उनमें अपार धीरज है। वे समुद्र की तीन दिनों तक प्रार्थना करते हैं।

विनय न मानत जलधि जड़ गए तीन दिन बीति
बोले राम सकोप तब भय बिनु होहिं न प्रीति।

यह उनके धैर्य का उच्चादर्श है। वे वाणी से, कृति से किसी को दुख नहीं देना चाहते हैं। वे चेहरे पर हमेशा मधुर मुस्कान रखते हैं। उनके धीरोदात्त नायक की छवि उन्हें बहुत अलग बनाती है। वे जनता के प्रति समर्पित हैं। इसलिए तुलसीदास जी रामराज की अप्रतिम छवि का वर्णन करते हैं-

दैहिक दैविक भौतिक तापा, रामराज काहुंहिं नहीं व्यापा।

राम ने जो आदर्श स्थापित किए उस पर चलना कठिन है। किंतु लोकमन में व्याप्त इस नायक को सबने अपना आदर्श माना। राम सबके हैं। वे कबीर के भी हैं, रहीम के भी हैं, वे गांधी के भी हैं, लोहिया के भी हैं। राम का चरित्र सबको बांधता है। अनेक रामायण और रामचरित पर लिखे गए महाकाव्य इसके उदाहरण हैं। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त स्वयं लिखते हैं-

राम तुम्हारा चरित स्वयं ही काव्य है
कोई कवि बन जाए, सहज संभाव्य है।

भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति के ऐसे वटवृक्ष हैं, जिनकी पावन छाया में मानव युग-युग तक जीवन की प्रेरणा और उपदेश लेता रहेगा। जब तक श्रीराम जन-जन के हृदय में जीवित हैं, तब तक भारतीय संस्कृति के मूल तत्व अजर-अमर रहेंगे। श्रीराम भारतीय जन-जीवन में धर्म भावना के प्रतीक हैं, उनमें मानवोचित और देवोचित गुण थे, इसीलिए वे मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। भगवान श्रीराम का जीवन चरित्र भारत की सीमाओं को लांघकर विदेशियों के लिए भी शांति, प्रेरणा और नवजीवनदायक बनता जा रहा है। श्रीराम धर्म के साक्षात् स्वरूप हैं, धर्म के किसी अंग को देखना है, तो राम का जीवन देखिये, आपको धर्म की असली पहचान हो जायेगी। धर्म की पूर्णता उनके जीवन में आद्यन्त घटित हुई है।

श्रीराम ने लौकिक धरातल पर स्थिर रहकर धर्म एवं मर्यादा का पालन करते हुए मानव को असत्य से सत्य की ओर, अधर्म से धर्म की ओर तथा अन्याय से न्याय की ओर चलने की प्रेरणा दी है। कर्त्तव्य की वेदी पर अपने व्यक्तिगत सुख-प्रलोभनों की आहुति श्रीराम की जीवन कहानी का सार है। संसार में महापुरुष अपने जीवन, गुण, कर्म, स्वभाव, कर्त्तव्य, बुद्धि, तप-त्याग और तपस्या से जो अमर जीवन-संदेश देते हैं, वही मानवता की स्थायी धरोहर होती है। हमारा सौभाग्य है कि हम ऐसे दैवीय गुणों के धनी मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र की संताने हैं। श्रीराम का प्रेरक चरित्र भूली-भटकी मानव जाति में नवजीवन चेतना का संचार कर सकता है। उनके जीवन की घटनाएं आज के भोगी विलासी और मानवता का गला घोंटने वाले नामधारी मनुष्य को बहुत कुछ सोचने, करने और जीने की प्रेरणा दे सकती है। उनके जीवन के प्रत्येक क्रियाकलाप से अमर संदेश मिलता है। श्रीराम के द्वारा दर्शित आदर्शों एवं जीवन मूल्यों का भारतीय समाज में बहुत ऊंचा स्थान है। यदि हम सबक लेना चाहें, तो रामायण की प्रत्येक घटना से बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

लक्ष्मण जी का श्रीराम जी के साथ वन-गमन करना, भरत जी का राज्य को ठुकराना, पादुका रखकर शासन-व्यवस्था चलाना, परस्पर भाइयों की प्रीति का श्रेष्ठ उदाहरण है। आज भाई-भाई एक दूसरे के रक्त के प्यासे हो रहे हैं, परिवार परस्पर की कलह के कारण टूट रहे हैं। सर्वत्र स्वार्थ, अहंकार और अकेले भोगने की भावना उद्दाम हो रही है। ऐसे में रामायण हमें शिक्षा देती है कि नश्वर सुख-भोग और धन-धाम-धरा के लिए परस्पर लड़ना नहीं चाहिए। चित्रकूट प्रवास-काल में शूर्पणखा द्वारा श्रीराम को अपनी ओर आकर्षित करके विवाह का प्रस्ताव रखने पर राम द्वारा दृढ़ता से मना कर देना प्रेरणा देता है कि यदि जीवन को सुखी और शान्तिमय बनाना है, तो एक पत्नीव्रत का आचरण करना चाहिए। स्वर्णमृग को देखकर सीताजी का उसे पाने की इच्छा करना तथा भगवान राम द्वारा मायावी मृग को पाने के लिए पीछे दौड़ना और सीता जी का हरण हो जाने की घटना आज के जीवन प्रसंगों को बहुत कुछ प्रेरणा दे सकती है। आज का मनुष्य धन की मृगतृष्णा के पीछे पागलों की तरह दौड़ा जा रहा है, जो प्राप्त है उससे संतुष्ट नहीं हो पा रहा है। विज्ञान की चमकीली, भड़कीली, दिखावटी, बनावटी चीजों के पीछे दिन-रात अधर्म-असत्य, छल-प्रपंच का सहारा लेकर दौड़ा जा रहा है। इससे हानि यह हुई है कि आत्मारूपी सीता छिन गई है, भौतिकवादी व्यक्ति सिर्फ शरीर के लिए जीने लगा है तथा इसी मृगतृष्णा में वह जीवन का अंत कर लेता है। रामायण कहती है दुनिया में आंखें खोलकर चलो, सभी चमकने वाली चीजें सोना नहीं होती हैं। चमक-दमक में व्यक्ति हमेशा धोखा खाता है, इसी धोखे में आत्मरूपी सीता का रावण द्वारा हरण होता है तथा बाद में राम-रावण का निर्णायक युद्ध होता है। यदि रामायण से कुछ सीखना है, तो चरित्र निर्माण, विचारों की उच्चता, भावों की शुद्धता, पवित्रता तथा जीवन को धर्म-मर्यादा एवं उच्चादर्श की ओर ले चलना सीखें। सीता जी का राम जी के साथ वन जाना संसार के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ देता है। वनवास राम जी को मिला था, सीता जी को नहीं, रामायण में वनवास का प्रसंग यह शिक्षा देता हैं की नारी की परीक्षा संपत्ति में नहीं विपत्ति में होती है।

राम अपने जीवन की सरलता, संघर्ष और लोकजीवन से सहज रिश्तों के नाते कवियों और लेखकों के सहज आकर्षण का केंद्र रहे हैं। उनकी छवि अति मनभावन है। वे सबसे जुड़ते हैं, सबसे सहज हैं। उनका हर रूप, उनकी हर भूमिका इतनी मोहनी है कि कविता अपने आप फूटती है। किंतु सच तो यह है कि आज के कठिन समय में राम के आदर्शों पर चलता साधारण नहीं है। उनसी सहजता लेकर जीवन जीना कठिन है। वे सही मायनों में इसीलिए मर्यादा पुरुषोत्तम कहे गए। उनका समूचा व्यक्तित्व राजपुत्र होने के बाद भी संघर्षों की अविरलता से बना है। वे कभी सुख और चैन के दिन कहां देख पाते हैं। वे लगातार युद्ध में हैं। घर में, परिवार में, ऋषियों के यज्ञों की रक्षा करते हुए, आसुरी शक्तियों से जूझते हुए, निजी जीवन में दुखों का सामना करते हुए, बालि और रावण जैसी सत्ताओं से टकराते हुए। वे अविचल हैं। योद्धा हैं। उनकी मुस्कान मलिन नहीं पड़ती। अयोध्या लौटकर वे सबसे पहले मां कैकेयी का आशीर्वाद लेते हैं। यह विराटता सरल नहीं है। पर राम ऐसे ही हैं। सहज-सरल और इस दुनिया के एक अबूझ से मनुष्य।

राम भक्त वत्सल हैं, मित्र वत्सल हैं, प्रजा वत्सल हैं। उनकी एक जिंदगी में अनेक छवियां हैं। जिनसे सीखा जा सकता है। अयोध्या का मंदिर इन सद् विचारों, श्रेष्ठ जीवन मूल्यों का प्रेरक बने। राम सबके हैं। सब राम के हैं। यह भाव प्रसारित हो तो देश जुड़ेगा। यह देश राम का है। इस देश के सभी नागरिक राम के ही वंशज हैं। हम सब उनके ही वैचारिक और वंशानुगत उत्तराधिकारी हैं, यह मानने से दायित्वबोध भी जागेगा, राम अपने से लगेगें। जब वे अपने से लगेगें तो उनके मूल्यों और उनकी विरासतों से मुंह मोड़ना कठिन होगा। सही मायनों में 'रामराज्य' आएगा। कवि बाल्मीकि के राम, तुलसी के राम, गांधी के राम, कबीर के राम, लोहिया के राम, हम सबके राम हमारे मनों में होंगे। वे तब एक प्रतीकात्मक उपस्थिति भर नहीं होंगे, बल्कि तात्विक उपस्थिति भी होंगे। वे सामाजिक समरसता और ममता के प्रेरक भी बनेंगे और कर्ता भी। इसी में हमारी और इस देश की मुक्ति है।

आज के भारत का मिजाज़, अयोध्या में स्पष्ट दिखता है। आज यहां प्रगति का उत्सव है, तो कुछ दिन बाद यहां परंपरा का उत्सव भी होगा। आज यहां विकास की भव्यता दिख रही है, तो कुछ दिनों बाद यहां विरासत की भव्यता और दिव्यता दिखने वाली है। यही तो भारत है। विकास और विरासत की यही साझा ताकत, भारत को 21वीं सदी में सबसे आगे ले जाएगी।

श्रीकरणपुर सीट पर मंत्री की हार का इशारा किस ओर है...

विनोद पाठक

राजस्थान में 3 दिसंबर 2023 को सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी को श्रीगंगानगर की श्रीकरणपुर सीट पर 11 हजार से ज्यादा वोटों से हार का सामना करना पड़ा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ताजपोशी के बाद इस चुनाव को सरकार का लिटमस टेस्ट माना जा रहा था। भाजपा इस सीट को जीतने को लेकर कितनी प्रयत्नशील थी, यह इसी बात से पता चलता है कि उसने श्रीकरणपुर से अपने प्रत्याशी सुरेंद्र पाल सिंह टीटी को मतदान से सप्ताह भर पहले मंत्री पद की शपथ भी दिला दी थी। राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष सीपी जोशी भले हार के कारणों की समीक्षा की बात कह रहे हैं, लेकिन चुनाव का परिणाम कहीं ना कहीं भाजपा के लिए मनोबल गिराने वाला जरूर है। आखिर सत्ताधारी दल और मंत्री को हराकर मतदाता किस ओर इशारा कर रहा है? दरअसल, श्रीकरणपुर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के बाद यहां चुनाव स्थगित कर दिया गया था। इस सीट पर कांग्रेस ने इमोशनल कार्ड खेलते हुए गुरमीत सिंह कुन्नर के पुत्र रुपिंदर सिंह कुन्नर को प्रत्याशी बनाया। भाजपा की तरफ से पूर्व मंत्री सुरेंद्र पाल सिंह टीटी उम्मीदवार थे, जो पहले वसुंधरा सरकार में मंत्री रह चुके हैं। भाजपा को डर था कि इमोशनल कार्ड खेलते हुए कांग्रेस यहां बाजी पलट सकती है, इसलिए पार्टी ने सुरेंद्र पाल सिंह टीटी को मतदान से पहले मंत्री भी बना दिया, ताकि जनता में स्पष्ट संदेश जाए कि वो एक विधायक को नहीं, बल्कि मंत्री को चुन रही है, जो दांव उल्टा पड़ गया है। राजस्थान विधानसभा चुनाव में 200 में से 199 सीटों पर जब चुनाव हुआ था तो भाजपा को 115 और कांग्रेस को 69 सीटों पर विजय हासिल हुई थी। हालांकि, दोनों पार्टियों के मत प्रतिशत में बहुत ज्यादा अंतर नहीं था। भाजपा को 41.69 प्रतिशत वोट व 1,65,24,787 मत मिले, जबकि कांग्रेस को 39.53 प्रतिशत वोट व 1,56,67,947 मत मिले। कांग्रेस उस तरीके से चुनाव में धराशाही नहीं हुई, जैसी 2013 के विधानसभा चुनाव में हुई थी, तब पार्टी मात्र 21 सीटों पर सिमट गई थी। यह बात ठीक है कि कांग्रेस को श्रीकरणपुर में इमोशनल कार्ड खेलने का फायदा मिला है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी को निश्चित रूप से आत्मावलोकन करने की जरूरत है कि श्रीकरणपुर सीट पर पार्टी प्रत्याशी को मंत्री बनने के बावजूद पार्टी क्यों हारी? क्या यह जनता का कोई संकेत है? लोकसभा चुनाव से पहले जनता किस ओर इशारा करना चाह रही है? भारतीय जनता पार्टी को श्रीकरणपुर सीट की हार पर गंभीरता से समीक्षा करने की जरूरत है, क्योंकि लोकतंत्र में जनता ही है, जो कब किसे धराशाही कर दे, पता नहीं चलता।

टेढ़ी खीर है पंजाब-दिल्ली में सीटों का बंटवारा

अंकित सिंह

आखिरकार इंडिया गठबंधन में लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर चर्चा की शुरुआत हो गई है। रविवार को जहां राजद और कांग्रेस की बैठक थी तो वहीं सोमवार को आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं की बैठक हुई और दिल्ली तथा पंजाब में सीट बंटवारे को लेकर चर्चा की गई। कांग्रेस को कमजोर कर दिल्ली और पंजाब में सबसे बड़ी पार्टी बनी आम आदमी पार्टी पर इस चर्चा के दौरान सबकी निगाहें थी। हालांकि, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की ओर से चर्चा को सार्थक बताया गया है और दावा किया क्या है कि आने वाले दिनों में फिर से बात की जाएगी। हालांकि, सूत्र बताते हैं कि बातचीत के दौरान लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर कोई फार्मूला नहीं निकल सका है।

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच बैठक में कांग्रेस की नेशनल अलायंस कमेटी के प्रमुख मुकुल वासनिक, अशोक गहलोत समेत स्थानीय नेता भी शामिल हुए। वहीं, आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधित्व राज्यसभा सांसद संदीप पाठक और दिल्ली कैबिनेट की मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने किया। दोनों ही ओर से बैठक के बाद मीडिया से कोई बातचीत नहीं की गई है। आप नेता और दिल्ली के मंत्री गोपाल ने एक दिन बाद बताया कि दोनों पार्टियों के नेताओं ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे के समझौते पर बैठक की। आम आदमी पार्टी ने अपनी राय रखी है कि दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गोवा और गुजरात में उसकी मजबूत उपस्थिति है। इन राज्यों में हम कैसे चुनाव लड़ेंगे, इस पर हम अगली बैठक में चर्चा करेंगे।

सूत्र बताते हैं कि इस बैठक में आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में कांग्रेस को तीन लोकसभा सीटें देने का प्रस्ताव रखा। दिल्ली में लोकसभा के 7 सीटें हैं। 2019 के चुनाव में सभी सीटों पर भाजपा की जीत हुई थी। कांग्रेस को 22 फ़ीसदी तो आम आदमी पार्टी को 18न्न वोट मिले थे। इसके अलावा पंजाब में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को 6 सीटों का ऑफर दिया है। पंजाब की कुल 13 सीटों में से 2019 में कांग्रेस ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस की टेंशन को बढ़ाते हुए आम आदमी पार्टी ने हरियाणा की कुल 10 सीटों में से तीन पर दावा ठोक दिया। वहीं, गोवा की दो लोकसभा सीटों में से एक पर चुनाव लड़ने की बात कही है। इतना ही नहीं, गुजरात के एक लोकसभा सीट पर भी आम आदमी पार्टी अपनी दावेदारी कर रही है। आपको बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने गुजरात की भरूच लोकसभा सीट से चैतर वसावा की उम्मीदवारी का भी ऐलान कर दिया है। वसावाइस समय जेल में बंद हैं।

दिल्ली और पंजाब तो ठीक है लेकिन गुजरात, गोवा और हरियाणा में सीटें मांग कर आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी है। यही कारण है कि कांग्रेस एक बार फिर से मंथन पर मजबूर हुई है। जब से आप इंडिया गठबंधन में शामिल हुई, तब से इस बात को लेकर दावा किया जा रहा था की दोनों पार्टियों में दिल्ली और पंजाब में सीट बंटवारे पर ही बात होगी। लेकिन गोवा और हरियाणा को लेकर आम आदमी पार्टी की डिमांड गठबंधन में पेंच फंसा सकती है। राजनीतिक विश्लेषक इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी ने जो फार्मूला दिया है उसको कांग्रेस स्वीकार कर सकती है और उदारता दिखा सकती है। लेकिन हरियाणा, गुजरात और गोवा में कांग्रेस समझौते को लेकर तैयार नहीं होगी।

दिल्ली और पंजाब की बात करें तो यहां आम आदमी पार्टी और कांग्रेस लगातार आमने-सामने हैं। दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस को ही सत्ता से दूर कर आम आदमी पार्टी सत्ता में आई है। यही कारण है कि दोनों पार्टियों के स्थानीय नेता किसी भी प्रकार के समझौते के पक्ष में नहीं है। स्थानीय नेताओं का मानना है कि भले ही ऊपर के नेताओं के हाथ मिल जाए लेकिन कार्यकर्ताओं के दिल नहीं मिल सकते हैं। दोनों ही पार्टियों के नेताओं ने आलाकमान को कह दिया है कि हम अकेले चुनाव लड़ना चाहते हैं। पंजाब कांग्रेस प्रमुख वडिंग ने कहा कि इस (सीट-बंटवारे) को लेकर मुझसे कोई चर्चा नहीं हुई है। हमें सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए कहा गया है और हम सभी पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में कहीं ना कहीं गठबंधन को लेकर दोनों ही दलों में आने वाले समय में पेंच फंसेगा।

दक्षिण भारत में भाजपा के सामने क्षेत्रीय क्षत्रपों की चुनौती

नवीन कुमार पाण्डेय

कर्नाटक और तेलंगाना में पिछले वर्ष के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की बड़ी जीत और भाजपा की हिंदी हार्टलैंड के राज्यों में एकतरफा जीत से लोकसभा चुनावों से पहले तथाकथित उत्तर-दक्षिण राजनीतिक विभाजन की चर्चा हो रही है। क्या यह धारणा वास्तविक है या यह सिर्फ हताश लोगों का गढ़ा हुआ फलसफा है? अगर भाजपा का विरोध नहीं भी मानें तो दक्षिणी राज्यों के विधानसभा चुनावों में विविध रुझान विभाजन से कहीं अधिक चुनावी असमानता की झांकी पेश करता है। ऐसे समय में जब भाजपा और उसकी हिंदुत्व की राजनीति ने अन्य जगहों पर नई सीमाएं पार की हैं तब दक्षिण की सियासी सोच काफी मायने रखती है। अब सवाल यह है कि क्या भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में दक्षिण के पॉलिटिकल पासवर्ड को डिकोड कर सकती है या क्या विंध्याचल के परे की भूमि भगवा अभियानों के रथ को रोकती रहेंगी?

दक्षिण में 130 लोकसभा सीटें - तमिलनाडु (39), कर्नाटक (28), आंध्र प्रदेश (25), तेलंगाना (17), केरल (20) और पुडुचेरी (1) आने वाले चुनावों में राजनीतिक हस्तियों को लुभाएंगी और उन्हें भड़काएंगी भी। पिछले लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने दक्षिण से 28 लोकसभा सीटें जीती थीं- केरल (15), तमिलनाडु (8), तेलंगाना (3), कर्नाटक (1) और पुडुचेरी (1) - जबकि भाजपा ने 29 सीटें जीती थीं - कर्नाटक (25) और तेलंगाना (4)।

दक्षिण का इतिहास कांग्रेस को अंगीकार करने का रहा है। यह परंपरा मोटे तौर पर कांग्रेस के बुरे दौर में भी कायम रहा, जब उत्तर और अन्य हिस्सों ने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी सरकारों का विरोध किया। यहां तक कि जब 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस अपनी सबसे निचले स्तर पर आ गई, तब भी दक्षिण ने उसकी लाज बचाई। 2004 में एनडीए से दिल्ली की सत्ता छीनने और 2009 में इसे बरकार रखने के कांग्रेसी अभियानों को भी दक्षिण से भरपूर समर्थन मिला था। लेकिन कांग्रेस अब दक्षिण को लेकर निश्चिंत नहीं रह सकती क्योंकि अब उसे कई नए और पेचीदा क्षेत्रीय दलों और भाजपा की उभरती चुनौतियों से पार पाना है। हालांकि, कर्नाटक और तेलंगाना की जीत ने पार्टी को बहुत जरूरी सुकून और उम्मीद दी है।

भाजपा को दक्षिण भारत के अधिकांश क्षेत्रों की सियासी फिजां में अपने राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक हिंदुत्व का घोल छिड़क पाना मुश्किल रहा है।

बड़ी बात है कि दक्षिण में आरएसएस का विस्तृत नेटवर्क होने के बावजूद यह स्थिति है। लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा के जमीनी स्तर के काम, वाजपेयी सरकारों के आकर्षण और मोदी लहर के दो चुनावी दौरे के बावजूद अधिकांश दक्षिण ने भाजपा का विरोध किया है, जिससे पता चलता है कि पार्टी के लिए दक्षिण के किले की फतह कितना कठिन टास्क है।

लेकिन हाल के वर्षों में देश के बाकी हिस्सों में भगवा लहर के बीच भाजपा ने कर्नाटक को दक्षिण का अपना ठिकाना बनाने में सफलता हासिल कर ली है और तेलंगाना को अपने नए बढ़ते क्षेत्र के रूप में उभारा है। प्रधानमंत्री मोदी 2024 के लोकसभा चुनावों में दक्षिण की किसी सीट से चुनाव लड़ेंगे या नहीं, यह दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में दबी-छिपी चर्चा का विषय है।

पिछले कई दशकों में दक्षिण में कई क्षेत्रीय दलों का उभार हुआ है, जिससे चुनावी चर्चा और जटिलता बढ़ गई है। तमिलनाडु तो 57 साल पहले कांग्रेस के शासन को समाप्त करने के बाद से ही द्रविड़ पार्टियों के प्रभाव में है। आंध्र प्रदेश के विभाजन ने भी राज्य कांग्रेस के पतन की गति तेज कर दी और तेलंगाना में बीआरएस जबकि आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी ने राजनीतिक जमीन हथिया ली।

केरल में कम्युनिस्ट पार्टियों के नेतृत्व वाली एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ ने राजनीति को द्विध्रुवी बनाए रखा है, जहां भाजपा अपने पैर जमाने की कोशिश कर रही है। कर्नाटक में जनता पार्टी की धारा पारंपरिक रूप से कांग्रेस को चुनौती देती थी। वहां जनता दल की पार्टियों के लगातार टूटने और जेडीएस के घटते प्रभाव से राज्य में अब कांग्रेस बनाम भाजपा का ही चुनावी खेल प्रभावी हो गया है।

तमिलनाडु में लोकसभा चुनाव इस आधार पर होगा कि क्या डीएमके और उसके सहयोगी दल, जिनमें कांग्रेस भी शामिल है, पिछले लोकसभा चुनाव (39 में से 38 सीटें और 53.53% वोट) और 2021 के विधानसभा चुनावों (234 में से 159 सीटें और 45.38% वोट) के शानदार प्रदर्शन को दोहरा सकते हैं। कहीं एमके स्टालिन सरकार पक्षपात और भ्रष्टाचार के आरोपों के बोझ तले दब जाएगी। उधर, प्रतिद्वंद्वी एआईएडीएमके किसी स्टार लीडर के बिना अपना अस्तित्व बचाने की लड़ाई में सत्ता विरोधी लहर का कुछ फायदा उठाने की उम्मीद कर रही है। भाजपा से हालिया ब्रेक अप (असलियत या बनावटी) डीएमके से अनुमानित 13% अल्पसंख्यक वोट के एक हिस्से को दूर करने में एआईएडीएमके की मदद कर सकता है या नहीं, यह देखना भी महत्वपूर्ण होगा।

जबकि डीएमके और एआईएडीएमके के अलग-अलग गठबंधन एक व्यापक सामाजिक संतुलन के साधने की कोशिश करेंगे, लेकिन लोकसभा चुनावों में यह भी साफ हो जाएगा कि क्या भाजपा-हिंदुत्व और तमिलनाडु के बीच भावनात्मक और सांस्कृतिक संबंध जोड़ने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास, जिनमें काशी तमिल संगमम क्या गुल खिलाएंगे। डीएमके और एआईएडीएमका के टूटे हुए गुटों और कुछ महत्वाकांक्षी फिल्म स्टार्स के साथ भाजपा गठजोड़ के प्रयास में है। देखना होगा कि क्या द्रविड़ राजनीति की खाइयों से निपटने के लिए भाजपा को इन प्रयासों से मदद मिलेगी।

प्रोफेशनल क्रिकेटर बन करियर को दें आयाम, देश-विदेश में होगा नाम

हमारे देश में क्रिकेट सबसे ज्यादा पसंद किये जाने वाले खेल है। करोड़ो युवा क्रिकेटर बनने का सपना देखते हैं लेकिन वही 11 खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में खेल सकते हैं जिन्होंने इसके लिए कठिन मेहनत और परिश्रम किया होता है। अगर आप भी क्रिकेटर बनना चाहते हैं तो कड़ी मेहनत करना शुरू करके आप कभी भी इस ओर अपना कदम आगे बढ़ा सकते हैं।

हमारे देश में क्रिकेट सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक माना जाता है और इसे हमारे देश में धर्म माना जाता है। क्रिकेटर की दुनिया चका-चौंध भरी होती है। इसलिए करोड़ो युवा क्रिकेटर बनने का सपना देखते हैं। क्रिकेटर बनने के बाद एक आम युवा को देश-विदेश में पहचान के साथ ही अच्छे पैसे कमाने का मौका मिलता है।

अगर आप भी क्रिकेटर बनने का सपना देख रहे हैं और जानना चाहते हैं कि इसकी शुरुआत कहां से करनी है तो यह आर्टिकल आपके लिए उपयोगी है। हम यहां क्रिकेटर बनने से संबंधित बेसिक नॉलेज प्रदान कर रहे हैं जिससे आप इस ओर एक कदम आगे बढ़ा सकें।

कैसे करें शुरुआत

क्रिकेटर बनने के लिए आपको किसी भी प्रकार की बेसिक शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता नहीं है। इसलिए अभ्यर्थी इस क्षेत्र में कभी भी शुरुआत कर सकते हैं, लेकिन एक प्रोफेशनल क्रिकेटर बनने के लिए आपको इसकी शुरुआत 10 से 18 साल तक कर देनी चाहिए।

क्रिकेटर के गुर सीखने के लिए आपको सबसे पहले किसी क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लेना है और बेहतर कोच के अंतर्गत कोचिंग लेनी शुरू करनी होगी। इसके बाद आप स्कूल/ कॉलेज/ यूनिवर्सिटी लेवल पर अच्छा प्रदर्शन करके आगे बढ़ सकते हैं।

इसके बाद आप डोमेस्टिक और स्टेट लेवल पर होने वाले ट्रायल्स दें। अगर आप ट्रायल्स के दौरान अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो आपको स्टेट और डोमेस्टिक लेवल की टीम में अच्छा प्रदर्शन जारी रखना होगा।

रणजी ट्रॉफी है नेशनल लेवल पर खेलने की कुंजी

डोमेस्टिक और स्टेट लेवल पर अच्छा प्रदर्शन करने के बाद आपका चयन रणजी ट्रॉफी के लिए किया जायेगा। इस ट्रॉफी को नेशनल टीम का टिकट माना जाता है। अगर आप रणजी ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो आपका चयन नेशनल टीम के लिए हो सकता है। इसके बाद आप राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अपना सपना पूरा कर सकते हैं। भारत के साथ ही विश्व में प्रसिद्ध लीग इंडियन प्रीमियर लीग खेलने की कुंजी भी रणजी ट्रॉफी खेलने से मिलती है।

आप आईपीएल की नीलामी में तभी शामिल हो सकते हैं जब तक की रणजी ट्रॉफी का मैच न खेल लिया हो। इसके अलावा दलीप ट्रॉफी, अंडर-19, भारत A के लिए प्रतिनिधित्व करने वाले क्रिकेटर भी आईपीएल खेलने की योग्यता हासिल कर लेते हैं।

जानिए युवाओं की पहली पसंद क्यों बन रहा डिजिटल सेक्टर, आप कैसे बना सकते हैं इसमें करियर

हालिया रिपोर्ट के मुताबिक देश के कुल कर्मचारियों में 15 फीसद कर्मचारी ई–कॉमर्स सेक्टर यानि डिजिटल सेक्टर के लिए काम कर रहे हैं। देश में वर्ष 2023 में डिजिटल सेक्टर सर्वाधिक नौकरियां देने वाले क्षेत्रों में से एक रहा है। अगर आप भी बेरोजगार हैं तो डिजिटल मार्केटिंग क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

ये भी सीखें - मास्टर डिजिटल मार्केटिंग- डिजिटल मार्केटिंग ई बुक

ई-कॉमर्स कंपनियों और खुदरा कारोबार के ऑनलाइन आने के बाद इस क्षेत्र में लगातार ग्रोथ देखने को मिल रही है। एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक देश के कुल कर्मचारियों में 15 फीसद कर्मचारी ई-कॉमर्स सेक्टर यानि डिजिटल सेक्टर के लिए काम कर रहे हैं। देश में वर्ष 2023 में डिजिटल सेक्टर सर्वाधिक नौकरियां देने वाले क्षेत्रों में से एक रहा है। देश के सबसे बड़े फ्रंट लाइन वर्कर्स हब दिल्ली एनसीआर की बात करें तो यहां 78 फीसद फ्रंटलाइन वर्कर्स ई-कॉमर्स सेक्टर से जुड़े हुए हैं। इन 78 फीसद वर्कर्स में 60 फीसद 20 से 30 वर्ष तक की आयु के युवा है। इसका कारण काम करने के फ्लेक्सिबल घंटे और बेहतर सैलरी पैकेज है। जिसके कारण डिजिटल मार्केटिंग सेक्टर आजकल काम करने की बेहतर जगहों में शुमार हो रहा है। अगर आप भी बेरोजगार हैं तो डिजिटल मार्केटिंग स्किल सीखकर इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। देश की जानी मानी ऐडटेक कंपनी सफलता डॉट कॉम इस क्षेत्र में जाने के लिए युवाओं को लगातार तैयार कर रही है। तो आप भी सफलता के Digital Marketing Course की मदद लेकर इस क्षेत्र में अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

सफलता के साथ बनाएं अपना कॅरिअर

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी या डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक्स डिजाइनिंग जैसे फील्ड में करियर बनाने की चाह रखने वाले युवा इनकी बेहतर तैयारी के लिए सफलता डॉट कॉम की मदद ले सकते हैं। सफलता द्वारा इस वक्त कई टेक्निकल कोर्सेस के साथ यूपी कॉन्स्टेबल, यूपी लेखपाल तथा अन्य कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी एक्सपर्ट और वर्षों के अनुभव रखने वाले फैकल्टीज के मार्गदर्शन में कोर्सेस चलाए जा रहे हैं। इसलिए अगर आप भी प्राइवेट या सरकारी नौकरी की तलाश में हैं तो आप एक बार सफलता डॉट कॉम पर विजिट जरूर करें और अपनी पसंद के मुताबिक कोर्स में एडमिशन लीजिए। आप अपने फोन में safalta app डाउनलोड कर भी इन कोर्सेस से जुड़ सकते हैं।

एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक देश के कुल कर्मचारियों में 15 फीसद कर्मचारी डिजिटल सेक्टर के लिए काम कर रहे हैं। देश में वर्ष 2022 और 2023 में डिजिटल सेक्टर सर्वाधिक नौकरियां देने वाले क्षेत्रों में से एक रहा है।

डिजिटल मार्केटिंग क्या है ?

इंटरनेट के जरिए की जाने वाली मार्केटिंग को डिजिटल मार्केटिंग या ऑनलाइन मार्केटिंग कहते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग में करियर कहां बनता है ?

डिजिटल मार्केटिंग कोर्स के बाद आप मार्केटिंग मैनेजर, कंटेंट मार्केटिंग मैनेजर, सोशल मीडिया मार्केटिंग स्पेशलिस्ट, वेब डिजाइनर, एप डवलपर, कंटेंट राइटर, सर्च इंजन मार्केटर, इनबाउंड मार्केटिंग मैनेजर, एसईओ एग्जीक्यूटिव, कनवर्जन रेट, ऑप्टिमाइजर आदि में अपना कॅरिअर बना सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग कोर्स कितने प्रकार के होते हैं?

आप डिजिटल मार्केटिंग में एक दो महीने के कोर्स से लेकर डिप्लोमा और डिग्री भी ले सकते हैं। ये आपके पास समय पर निर्भर करता है।

इन क्षेत्रों में करें काम

डिजिटल मार्केटिंग सीखने के बाद आप किसी कंपनी के लिए ब्लॉगिंग शुरू कर सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग के जरिए उस कंपनी के उत्पादों को ब्लॉग से प्रमोट किया जा सकता है। ग्राहक को कंटेंट से अपनी वेबसाइट पर लाया जा सकता है। डिजिटल मार्केटिंग कोर्स के बाद आप वेब डिजाइनिंग फील्ड में भी करियर बना सकते हैं। या फिर आप वीडियो बनाकर भी सोशल मीडिया साइट्स के जरिए सालाना लाखों रुपए कमा सकते हैं। किसी कंपनी के उत्पादों को अपने निजी लोगों में शेयर करके आप एफिलिएट मार्केटिंग कर भी हजारों रुपए घर बैठे कमा सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग करियर-	औसत वेतन प्रति वर्ष
डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर	7.2 लाख
सर्च इंजन ऑप्टिमाइजर	4 लाख
सोशल मीडिया मार्केटर	4.82 लाख
कंटेंट मार्केटिंग	5.46 लाख
ईमेल मार्केटिंग	4.3 लाख
एसईएम विशेषज्ञ	7.3 लाख
एआर-वीआर डेवलपर	2.8 लाख
एसईओ विशेषज्ञ	4 लाख
वीडियो मेकर	6 लाख
डेटा विश्लेषक	6.9 लाख
वेब डेवलपर	3 लाख

बारहवीं के बाद लॉ क्षेत्र में कैसे बनाएं करियर, यहां से पाएं पूरी डिटेल

देशभर में जल्द ही 12वीं बोर्ड परीक्षाओं का दौर जारी होने वाला है। बारहवीं उत्तीर्ण करने के बाद स्टूडेंट्स और उनके अविभावकों को भविष्य की चिंता सताने लगती है वे किस क्षेत्र में करियर का आगे बढ़ा सकें। अगर आपको भी ऐसी चिंता है तो आप 12वीं के बाद ही लॉ के क्षेत्र में अपने करियर का निर्माण कर सकते हैं।

12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं जल्द ही शुरू होने वाली हैं। 12वीं के बाद स्टूडेंट्स और अविभावकों को भविष्य की चिंता रहती है कि वे किस क्षेत्र में अपने करियर का निर्माण करें और समाज में अच्छे नाम के साथ ही प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकें। अगर आपको कानून के क्षेत्र में रुचि है तो लॉ आपके लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। आप लॉ के क्षेत्र में एडवोकेट, जज या प्रोफेसर तक बन सकते हैं।

कैसे करें शुरुआत

लॉ के क्षेत्र में करियर बनाने की शुरुआत आप 12वीं के बाद से ही कर सकते हैं। 12वीं के बाद आप पांच वर्षीय कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। पांच वर्षीय कोर्सेज में प्रवेश के लिए आपको CLAT, LSAT India, AILET या SET प्रवेश परीक्षा में भाग लेना होगा। आप चाहें तो ग्रेजुएशन करने के बाद भी लॉ कर सकते हैं।

आप ग्रेजुएशन के बाद 3 वर्षीय प्रोग्राम एलएलबी में प्रवेश ले सकते हैं। कोर्स पूरा करने के बाद आप वकालत करने की डिग्री प्राप्त कर लेंगे। तीन वर्षीय प्रोग्राम में प्रवेश के लिए आपको LSAT India, DU LLB, MHT CET या BHU LLB प्रवेश परीक्षा में भाग लेना होगा। इसके अलावा बहुत से संस्थान डायरेक्ट मोड में भी प्रवेश देते हैं। इनमें आप बिना प्रवेश परीक्षा के भी लॉ में दाखिला ले सकते हैं।

इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

लॉ में डिग्री लेने के बाद आपको ALL India Bar E&am को उत्तीर्ण करना होगा इसके बाद आप कोर्ट में प्रैक्टिस कर सकते हैं। 7 साल की प्रैक्टिस के बाद अभ्यर्थी Higher Judicial Service परीक्षा को पास करने के बाद डिस्ट्रिक्ट जज के पद पर जॉब पा सकते हैं।इसके अलावा अगर आप वकालत नहीं करना चाहते हैं तो आप सहायक अभियोजन अधिकारी, पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग, बैंकिंग सेक्टर में एसओ आदि पदों पर भी जॉब पा सकते हैं। इन सबके अलावा आप अगर आपकी रुचि शिक्षा के क्षेत्र में है तो आप प्रोफेसर आदि भी बन सकते हैं। प्रोफेसर बनने के लिए आपको लॉ में ग्रेजुएशन करने के बाद पोस्ट ग्रेजुएशन (एलएलएम) कर सकते हैं और उसके बाद पीएचडी कर सकते हैं।

CTET 2024 परीक्षा में गिनती के बचे हैं दिन, अंतिम समय में इन बातों का रखें ध्यान, सक्सेस के बढ़ेंगे चांस

अब बचे हुए समय का यूज आप ज्यादा से ज्यादा पुराने वर्षों के पेपर में पूछे गए प्रश्नों को कवर करने पर फोकस कर सकते हैं। आप लास्ट ईयर के पेपर में देखें कि जिन टॉपिक से अधिक प्रश्न आते हैं और जिनमें अच्छे अंक पाए जा सकते हैं उन सेक्शन को मजबूत करने की कोशिश करें। अपनी हेल्थ का खासतौर पर ध्यान रखें।

सीटीईटी परीक्षा के आयोजन में अब चंद दिन ही बचे हैं। आगामी 21 जनवरी, 2024 को यह परीक्षा देश भर के विभिन्न केंद्रों में आयोजित की जाएगी। जल्द ही केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड और एग्जाम सिटी स्लिप भी रिलीज कर दिए जाएंगे। वहीं, परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले कैंडिडेट्स के पास अब बेहद कम समय बचा है परीक्षा की तैयारी करने के लिए और इसलिए ये बेहद जरूरी है कि अब बचे हुए इस वक्त का सही तरीके से इस्तेमाल कि जाए, जिससे एग्जाम में सफल होने के चांस बढ़ जाएं। आइए समझते हैं कि अंतिम समय में किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

- केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी अब एक बात का ध्यान रखें कि अब चूंकि एग्जाम के लिए दो सप्ताह और कुछ दिन का ही वक्त बचा तो ऐसे में अब कोई भी नया चैप्टर स्टार्ट न करें। केवल और केवल अब तक पढ़े हुए कोर्स को ही रिवाइज करें।
- अब बचे हुए समय का यूज आप ज्यादा से ज्यादा पुराने वर्षों के पेपर में पूछे गए प्रश्नों को कवर करने पर फोकस कर सकते हैं। आप लास्ट ईयर के पेपर में देखें कि, जिन टॉपिक से अधिक प्रश्न आते हैं और जिनमें अच्छे अंक पाए जा सकते हैं उन सेक्शन को मजबूत करने की कोशिश करें।
- पिछले वर्षों के पेपर सॉल्व करने के साथ-साथ मॉक टेस्ट भी आपकी परीक्षा की तैयारी को मजबूत बनाने में आपकी खूब मदद करेंगे। इसलिए ज्यादा से ज्यादा मॉक टेस्ट दें।
- पढ़ाई के बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें, जिससे आप खुद को रिफ्रश कर सकें। इसके साथ ही अंतिम समयमें आप खुद की हेल्थ का बेहतर ध्यान रख सकें।

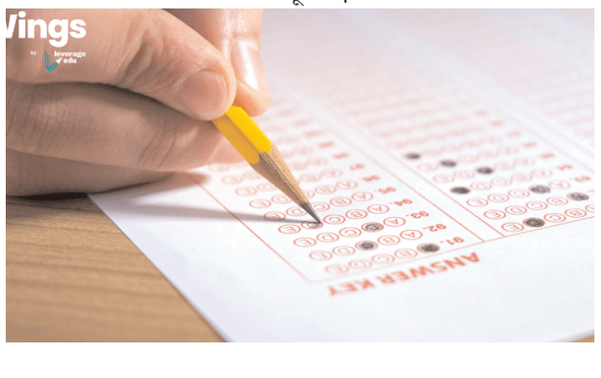

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

भारत जोड़ो न्याय यात्रा को नहीं मिली मणिपुर सरकार से इजाजत

इंफाल। मणिपुर सरकार ने बुधवार को इंफाल पूर्वी जिले के हट्टा कांगजेइबुंग में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा के लिए जमीनी अनुमति देने से इनकार कर दिया। यात्रा 14 जनवरी को इंफाल से शुरू होने वाली थी। मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस विधायक के मेघचंद्र, जिन्होंने पार्टी नेताओं की एक टीम के साथ, बुधवार सुबह मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से उनके कार्यालय परिसर-सह-बंगले में मुलाकात की, ने कहा कि मुख्यमंत्री ने उन्हें सूचित किया कि उनकी सरकार राज्य में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति का हवाला देते हुए अनुमति नहीं दे सकती। मेघचंद्र, जिन्होंने सरकार की प्रतिक्रिया को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया, ने कहा कि गिरावट के बाद, उन्होंने आयोजन स्थल को थौबल जिले के खोंगजोम में एक निजी स्थान में बदल दिया है। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमें जानकारी मिली कि मणिपुर सरकार ने पैलेस ग्राउंड, इंफाल में यात्रा आयोजित करने से (हमारे अनुरोध को) अस्वीकार कर दिया।

निर्वाचन आयोग पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रतिबद्ध

आंध्रप्रदेश। उन्होंने कहा कि लगभग 5.80 लाख मतदाता 80 वर्ष से अधिक आयु के हैं और 1,174 मतदाता 100 वर्ष से अधिक आयु के हैं। आंध्र प्रदेश में विधानसभा की 175 सीटें हैं जबकि 25 लोकसभा सीटें हैं। आंध्र प्रदेश में आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों के मद्देनजर, कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग ने आज समाप्त हुई अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान विभिन्न हितधारकों के साथ चर्चा की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने बुधवार को कहा कि निर्वाचन आयोग पारदर्शी तरीके से और प्रलोभन मुक्त माहौल में चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सभी अपराधियों से सख्ती से निपटने के लिए अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आयोग ने चुनाव मशीनरी और संपूर्ण नौकरशाही को निष्पक्ष, पारदर्शी और सभी हितधारकों के लिए सुलभ होने पर जोर दिया है और उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की टीम ने कई राजनीतिक दलों से मुलाकात की है।

मोदी का मुकाबला कोई नहीं कर सकता, कहकर फंस गए कार्ति

चेन्नई। तमिलनाडु कांग्रेस की अनुशासनात्मक समिति ने राहुल गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में की गई टिप्पणी पर पार्टी सांसद कार्ति चिदंबरम को नोटिस जारी किया है। हालांकि नोटिस की सामग्री का खुलासा जनता के सामने नहीं किया गया है, इसे सीधे कार्ति चिदंबरम को भेजा गया था। अनुशासनात्मक कार्रवाई एक क्षेत्रीय चैनल के साथ एक साक्षात्कार के दौरान कार्ति चिदंबरम की टिप्पणी के बाद हुई, जहां उन्होंने आगामी चुनावों में प्रधान मंत्री मोदी का मुकाबला करने में कठिनाई व्यक्त की थी। मल्लिकार्जुन खड़गे के पीएम मोदी के मुकाबले के सवाल के जवाब में कार्ति चिदंबरम ने कहा कि पीएम मोदी का मुकाबला कोई नहीं कर सकता। कार्ति चिदंबरम ने कहा, आज की प्रचार मशीन को देखते हुए, कोई भी मोदी का मुकाबला नहीं कर सकता है। जब उनसे राहुल गांधी के मुकाबले के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यह मुश्किल है।

सिद्धू की अनुशासनहीनता पर पंजाब कांग्रेस सख्त

चंडीगढ़। पार्टी मामलों के नए नेता देवेन्द्र यादव के इस दावे के बावजूद कि कांग्रेस एकजुट है, पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी समस्याएं पैदा हो रही हैं। देवेन्द्र यादव इस समय आप के साथ संभावित गठबंधन को लेकर पार्टी नेताओं के साथ चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने चंडीगढ़ पार्टी बैठक में नवजोत सिंह सिद्धू की अनुपस्थिति पर कड़ी चिंता व्यक्त की। राज्य नेतृत्व के विरोध के बावजूद, सिद्धू ने होशियारपुर में तीसरी रैली को संबोधित किया, जिसकी बैठक में मौजूद वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने आलोचना की, जिन्होंने सुझाव दिया कि पार्टी आलाकमान ऐसे अनुशासनात्मक उल्लंघनों के खिलाफ कार्रवाई करे। अधिकांश नेता कैमरे पर नवजोत सिंह सिद्धू पर टिप्पणी करने से बचते रहे, पीसीसी प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने सार्वजनिक रूप से सिद्धू की आलोचना करते हुए कहा कि पूर्व पीसीसी प्रमुख (सिद्धू) सहित पार्टी में किसी को भी आचार संहिता का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

महाराष्ट्र में सीट बंटवारे के लिए सक्रिय हुई भाजपा व शिंदे गुट

मुंबई। महाराष्ट्र में महायुति (महागठबंधन) के घटक आगामी लोकसभा चुनावों के लिए आवंटन पर अब अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन लगातार 48 में से 45 सीटें जीतने की योजना पर काम कर रहा है। इस बीच, दावे और प्रतिदावे भाजपा और एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट के बीच समझ का संकेत देते हैं। हालांकि, गठबंधन में सबसे नए सदस्य, अजित पवार के एनसीपी गुट के साथ सकारात्मक तालमेल बन पाएगा या नहीं, इसको लेकर फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता है। आने वाले हफ्तों में समस्याओं की आशंका को देखते हुए, भाजपा नेता पहले से ही एक प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं, वहीं शिंदे गुट समझौते की भाषा बोल रहा है। शिंदे समूह के नेता और राज्य के शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर ने कहा है कि यदि उनका उम्मीदवार किसी निर्वाचन क्षेत्र में प्रभावशाली है, तो भाजपा चाहे तो वह कमल के निशान पर चुनाव लड़ सकता है, जिससे कई सांसदों की उम्मीदें पूरी होंगी।

गांधीनगर में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 में प्रधानमंत्री ने कहा - भारत दुनिया में आज स्थिरता की गारंटी

अगले 25 वर्षों में भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य

गांधीनगर। वाइब्रेंट गुजरात 2024 का उद्घाटन बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किया गया। इसका आयोजन गुजरात की राजधानी गांधीनगर के महात्मा मंदिर कन्वेंशन और प्रदर्शनी केंद्र में किया जा रहा है। कार्यक्रम में पीएम मोदी के साथ संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री पेट्र फियाला, मोजाम्बिक के राष्ट्रपति फिलिप जैसिंटो न्युसी, तिमोर-लेस्ते के राष्ट्रपति जोस रामोस-होर्टा, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और देशभर के बड़े उद्योगपति शामिल हैं।

वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमने अगले 25 वर्षों में भारत को एक विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में भारत ने आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाया। अब भारत अगले 25 साल की तैयारी कर रहा है। हमारा लक्ष्य आजादी के 100 साल पूरे होने तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। अगले 25 साल भारत के लिए अमृत काल होने वाले हैं। यह नये संकल्पों का समय है। उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात समिट आर्थिक विकास और निवेश का एक वैश्विक मंच बन गया है।

मोदी ने कहा कि उन्होंने कहा कि भारत और यूएई ने फूड पार्क के विकास, नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग और नवीन स्वास्थ्य देखभाल में निवेश के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत के बंदरगाह बुनियादी ढांचे के लिए यूएई की कंपनियां अरबों डॉलर के निवेश पर सहमत हुई हैं। भारत और यूएई अपने रिश्ते को नई ऊंचाइयों पर ले गए हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत को स्थिरता के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखती है। एक दोस्त जिस पर भरोसा किया जा सकता है, एक साथी जो जन-केंद्रित विकास में विश्वास करता है, एक आवाज जो वैश्विक भलाई में विश्वास करती है, ग्लोबल साउथ की आवाज, वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकास का एक इंजन, समाधान खोजने के लिए एक प्रौद्योगिकी केंद्र, एक पावरहाउस प्रतिभाशाली युवाओं और एक लोकतंत्र जो उद्धार करता है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि 10 साल पहले भारत 11वें स्थान पर था। आज दुनिया की हर प्रमुख रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि भारत अगले कुछ वर्षों में दुनिया की टॉप 3 इकोनॉमी में जाएगा। एक ऐसे समय में जब विश्व अनेक अनिश्चितताओं से घिरा हुआ है। तब भारत दुनिया में विश्वास की एक नई किरण बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के लोगों को अपना विश्लेषण करने दीजिए, लेकिन यह मेरी गारंटी है कि ऐसा होगा। मोदी ने कहा कि आज तेजी से बदलते हुए वर्ल्ड आर्डर में

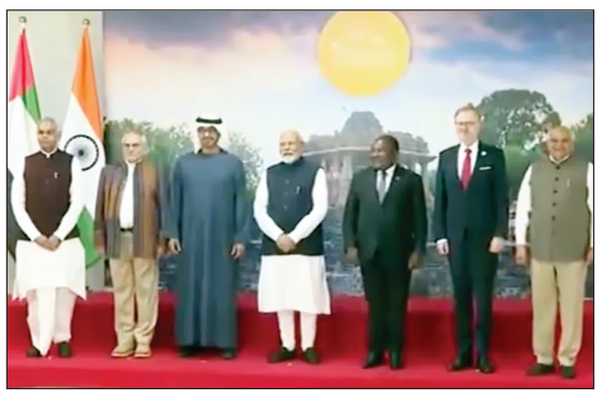

भारत विश्वमित्र की भूमिका में आगे बढ़ रहा है। आज भारत ने विश्व को ये भरोसा दिया है कि हम साझा लक्ष्य तय कर सकते हैं, अपने लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। विश्व कल्याण के लिए भारत की प्रतिबद्धता, निष्ठा, प्रयास और भारत का परिश्रम आज की दुनिया को ज्यादा सुरक्षित और समृद्ध बना रहा है। उन्होंने कहा कि अपनी स्थापना के बाद से पिछले 20 वर्षों में, वाइब्रेंट गुजरात के शिखर सम्मेलन ने नए विचारों को एक मंच दिया है और निवेश और रिटर्न के लिए नए रास्ते खोले हैं। 2024 की थीम %भविष्य का प्रवेश द्वार% है। हमारे प्रयासों और प्रतिबद्धता से ही 21वीं सदी का भविष्य जीवंत होगा। अपनी जी20 अध्यक्षता के दौरान, भारत ने वैश्विक भविष्य के लिए एक रोडमैप दिया। आज हम उस दृष्टिकोण को आगे ले जाना चाहेंगे।

नरेंद्र मोदी भारत के इतिहास में सबसे सफल प्रधानमंत्री : मुकेश अंबानी

वाइब्रेंट गुजरात 2024 कार्यक्रम को भारतीय उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी ने भी संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मुझे गुजराती होने पर गर्व है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिडेट हमेशा से गुजरात की एक कंपनी थी और हमेशा रहेगी। इसका उद्देश्य राज्य के सात करोड़ गुजरातियों के सपनों को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि जब निवेशक नए भारत के बारे में सोचते हैं, तो वे एक नए गुजरात के बारे में सोचते हैं। मुकेश अंबानी ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि मोदी है तो मुमकिन है। जब

विदेशी लोग नए भारत के बारे में सोचते हैं, तो वे नए गुजरात के बारे में सोचते हैं। यह परिवर्तन कैसे हुआ? एक नेता के कारण, जो हमारे समय के सबसे महान वैश्विक नेता के रूप में उभरे हैं - पीएम मोदी, भारत के इतिहास में सबसे सफल पीएम हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी ने ग्लोबल समिट में कहा कि आज मैं पांच वचन देना चाहूंगा। पहला, रिलायंस अगले दस वर्षों में महत्वपूर्ण निवेश के साथ गुजरात की विकास गाथा में अग्रणी भूमिका निभाना जारी रखेगा। विशेष रूप से, रिलायंस गुजरात को ग्रीन डेवलपमेंट में वैश्विक नेता बनाने में योगदान देगा। हम 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से गुजरात की आधी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लक्ष्य में मदद करेंगे। इसके लिए हमने जामनगर में 5,000 एकड़ में धीरूभाई अंबानी ग्रीन एनर्जी गीगा कॉम्प्लेक्स का निर्माण शुरू कर दिया है। इससे बड़ी संख्या में हरित नौकरियाँ पैदा होंगी और हरित उत्पादों और सामग्रियों का उत्पादन संभव होगा जो गुजरात को हरित उत्पादों का अग्रणी निर्यातक बना देगा और हम इसे 2024 की दूसरी छमाही में ही शुरू करने के लिए तैयार हैं। दूसरा, रिलायंस जियो ने दुनिया में कहीं भी 5जी बुनियादी ढांचे का सबसे तेज रोलआउट पूरा किया। आज गुजरात पूरी तरह से 5जी सक्षम है - कुछ ऐसा जो दुनिया के अधिकांश देशों के पास अभी तक नहीं है। यह गुजरात को डिजिटल डेटा प्लेटफॉर्म और एआई अपनाने में वैश्विक नेता बना देगा। 5जी-सक्षम एआई क्रांति गुजरात की अर्थव्यवस्था को अधिक उत्पादक, अधिक कुशल और अधिक विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगी। लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा करने के अलावा, यह एआई-सक्षम डॉक्टरों, एआई-सक्षम शिक्षकों और एआई-सक्षम किसानों का उत्पादन करेगा, जो गुजरात राज्य में स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और कृषि उत्पादकता में क्रांति लाएंगे।

मुकेश अंबानी ने अपने संकल्प के बारे में बताते हुए कहा कि वो तीसरा वादा करते हैं कि रिलायंस रिटेल उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण उत्पाद लाने और साथ ही लाखों किसानों और छोटे व्यापारियों को सशक्त बनाने के अपने मिशन को और तेज करेगा। हमारा खुदरा व्यवसाय बेहतर उत्पादों और सेवाओं के साथ गुजरात के सभी परिवारों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर रहा है। चौथा, रिलायंस गुजरात को न्यू मैटेरियल्स और सर्कुलर इकोनॉमी में अग्रणी बनाएगा। पांचवां, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की है कि भारत 2036 ओलंपिक के लिए बोली लगाएगा। इसकी तैयारी के लिए, रिलायंस और रिलायंस फाउंडेशन गुजरात में कई अन्य साझेदारों के साथ मिलकर शिक्षा, खेल और कौशल के बुनियादी ढांचे में सुधार करेंगा जो विभिन्न ओलंपिक खेलों में कल के चैंपियनों को तैयार करेगा।

स्वामी प्रसाद मौर्य की कहानी विक्रम बेताल जैसी

अखिलेश पर चढ़ गया मौर्य का भूत : प्रमोद कृष्णम

नईदिल्ली। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य एक बार फिर से विवादित बयानों की वजह से चर्चा में हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने राम मंदिर आंदोलन को लेकर विवादित बयान दे दिया है। कार सेवकों पर गोलियां चलवाने के मामले में अब स्वामी प्रसाद मौर्य ने बयान देकर कार सेवकों को अराजक तत्व करार दिया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि अमन-चैन कायम रखने के उद्देश्य से तब सरकार ने गोलियां चलवाई थी। सरकार ने राज्य में हिंसा ना हो और अमन बनाए रखने के लिए फर्ज निभाया था।

इसकी को लेकर लेकर कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने स्वामी प्रसाद मौर्य पर पलटवार किया है और अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और स्वामी प्रसाद मौर्य की कहानी विक्रम बेताल जैसी है। अखिलेश यादव के ऊपर स्वामी प्रसाद मौर्य का भूत चढ़ गया है। उन्होंने दावा किया कि वे स्वामी प्रसाद मौर्य से डरते हैं, वे जानते हैं कि स्वामी प्रसाद मौर्य भाजपा के व्यक्ति है, उनके बयानों से उनकी पार्टी का बेड़ा गर्क होगा और वे जानते हैं कि अगर स्वामी प्रसाद मौर्य ऐसे ही बयान देते रहे तो उत्तर प्रदेश में भाजपा को आने से कोई नहीं रोक सकता फिर भी पता नहीं क्या मजबूरी है।

पिछले साल दिसंबर में हिंदू धर्म पर की गई टिप्पणी से राजनीतिक तूफान खड़ा करने वाले समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने बुधवार को आरोप लगाया कि राम मंदिर का उद्घाटन भाजपा का निजी कार्यक्रम है। मौर्य ने यह भी कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले प्रतिष्ठा समारोह के लिए अतिथि सूची भाजपा द्वारा तैयार की जा रही है। मौर्य ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन बीजेपी का निजी कार्यक्रम है, इसलिए इसके लिए मेहमानों की सूची पार्टी के सदस्यों द्वारा तैयार की जा रही है। दरअसल, राम लला की मूर्ति का स्थान मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है।

खेल
प्रमुख समाचार

आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट टीम का किया ऐलान

सिडनी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बुधवार को 13 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। इसमें बल्लेबाजी क्रम का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन इसकी पुष्टि की कि हरफनमौला ग्रीन टीम में होंगे। वॉर्नर टेस्ट क्रिकेट को हाल ही में अलविदा कह चुके हैं। कैमरन ग्रीन को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के लिये आस्ट्रेलियाई टीम में जगह दी गई है चूंकि चयनकर्ताओं ने डेविड वॉर्नर की जगह विशेषज्ञ स्पिनर को चुनने का फैसला नहीं किया है।

आस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा ,'' हमने ऐसी टीम चुनी है जिसमें देश के छह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। '' ऐसी अटकलें हैं कि स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर उतर सकते हैं और ग्रीन मध्यक्रम में रहेंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट 17 जनवरी से एडीलेड में होगा।

मैच डिटेल:

17-21 जनवरी, पहला टेस्ट, एडिलेड ओवल, एडिलेड
25-29 जनवरी, दूसरा टेस्ट गाबा, ब्रिस्बेन।
02 फरवरी, पहला वनडे, मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड, मेलबर्न
04 फरवरी, दूसरा वनडे, सिडनी क्रिकेट ग्राउंड, सिडनी
06 फरवरी, तीसरा वनडे, मनुका ओवल, कैनबरा
09 फरवरी, पहला टी20 मैच, बेलेरिव ओवल, होबार्ट
11 फरवरी, दूसरा टी20 मैच, एडिलेड ओवल, एडिलेड
13 फरवरी, तीसरा टी20 मैच पर्थ स्टेडियम, पर्थ।

आस्ट्रेलिया टेस्ट टीम- पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कारी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, मैट रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क। आस्ट्रेलिया वनडे टीम =स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबोट, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मौरिस, झाय रिचर्डसन, मैट शॉर्ट, एडम जाम्पा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 272 अंक चढ़कर बंद निफ्टी 21,619 पर पंहुचा

नईदिल्ली। एशियाई बाजारों में गिरावट के बीच भारतीय शेयर बाजार बुधवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार को बढ़त के साथ बंद हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एचसीएलटेक जैसी इंडेक्स की हैवी वेट कंपनियों के शेयर में तेजी से बाजार मजबूती में बंद हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज 71,383.20 अंक पर लगभग सपाट खुला। कारोबार के दौरान यह 71,733.84 के उच्च और 71,110.98 के निचले स्तर तक गया। अंत में सेंसेक्स 0.38 प्रतिशत या 271.50 अंक की बढ़त 71,657.71 पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.34 प्रतिशत या 73.85 अंक के वृद्धि लेकर 21,618.70 के स्तर पर बंद हुआ। व्यापक इंडेक्स भी पॉजिटिव हो गए और दोनों बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप क्रमश: 0.2 और 0.3 प्रतिशत चढ़कर बंद हुए।

गुजरात बनेगा 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था: अंबानी

गांधीनगर। वाइब्रेंट गुजरात 2024 कार्यक्रम को रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी ने संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अब भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी का मिशन है- दुनिया के विकास के लिए भारत का विकास। वो वैश्विक भलाई के मंत्र पर काम कर रहे हैं और भारत को दुनिया का विकास इंजन बना रहे हैं। आने वाली पीढ़ियां वास्तव में राष्ट्रवादी और अंतर्राष्ट्रीयवादी होने के लिए पीएम मोदी की आभारी रहेंगी। आपने विकासित भारत- अमृत काल में भारत को एक पूर्ण विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के लिए एक ठोस नींव रखी है। दुनिया की कोई भी ताकत भारत को 2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने से नहीं रोक सकती। मुझे लगता है कि अकेले गुजरात तब तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

टाटा गुजरात में जल्द शुरू करेगा सेमिकंडक्टर फैक्ट्री

गांधीनगर। टाटा संस के चेयरमैन एन.चंद्रशेखरन ने वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन के दौरान खुलासा किया कि टाटा संस धोलेरा में एक सेमीकंडक्टर फैब के लिए बातचीत को अंतिम रूप देने के करीब है। इस प्रोजेक्ट के 2024 में शुरू होने की उम्मीद है, और उन्होंने एडवांस टेक्नॉलजी और मैन्युफैक्चरिंग को बेहतर तरीके से समझने लिए टाटा संस के समर्पण पर जोर दिया, जिसका लक्ष्य कंपनी को तकनीकी इनोवेशन में सबसे आगे रखना है। चन्द्रशेखरन ने घोषणा की कि टाटा अगले कुछ महीनों में गुजरात में एक बड़ी बैटरी भंडारण फैक्ट्री बनाने की योजना बना रहा है। इस कदम का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा में टाटा की भूमिका को मजबूत करना और भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों का समर्थन करना है। यह फैक्ट्री ईको-फ्रेंडली टेक्नॉलजी के प्रति भारत की कमिटमेंट के हिसाब से ऊर्जा भंडारण समाधानों की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने में मदद करेगी।

गुजरात में बनेगी मारुती की पहली इलेक्ट्रिक कार

गांधीनगर। सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष तोशीहिरो सुजुकी ने बुधवार को कहा कि मारुति सुजुकी इंडिया गुजरात में अपनी दूसरी विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए 35,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी का लक्ष्य 2030-31 तक वार्षिक उत्पादन क्षमता को 40 लाख इकाई से अधिक तक बढ़ाना है। वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन (वीजीजीएस) के 10वें संस्करण में तोशीहिरो ने कहा कि संयंत्र की स्थापित उत्पादन क्षमता 10 लाख इकाई प्रति वर्ष होगी। तोशीहिरो ने कहा, '' हम गुजरात में दूसरे कार संयंत्र के निर्माण के लिए 35,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे, जो हर साल 10 लाख इकाई का उत्पादन करेगा।'' उन्होंने कहा कि नए संयंत्र का परिचालन वित्त वर्ष 2028-29 में शुरू होने की उम्मीद है। इसका स्थान और उत्पादित किए जाने वाले मॉडल का विवरण उचित समय पर साझा किया जाएगा।

जारी रहेगा शेयर बाजार में उछाल

सतीश सिंह

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसइ) का सूचकांक 28 दिसंबर को अब तक के शीर्ष 72,484 पर पहुंच गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसइ) या निफ्टी भी उसी दिन अब तक के शीर्ष 21,801 पर चला गया। बीएसइ के 30 में से 22 कंपनियों के शेयरों में तेजी रही, जिनमें सबसे अधिक तेजी बैंकिंग और ऊर्जा क्षेत्र के शेयरों में देखी गयी। मौजूदा समय में अमेरिका सहित लगभग तमाम विकसित देशों के शेयर बाजार में बिकवाली का दौर है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी नरमी बनी हुई है और कुछ देशों में मंदी के आसार बने हुए हैं, लेकिन इसके विपरीत भारतीय शेयर बाजार लगातार चमकीला होता जा रहा है। शेयर बाजार में उछाल का एक कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआइ) द्वारा भारतीय बाजार में ज्यादा निवेश करना है। राजनीतिक स्थिरता, मजबूत होती अर्थव्यवस्था और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में लगातार गिरावट को देखते हुए भारतीय शेयर बाजार में सिर्फ दिसंबर में 57 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश एफपीआइ द्वारा किया गया है। पूरे साल यह निवेश 1.62 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। विदेशी निवेशकों का कुल निवेश लगभग दो लाख करोड़ रुपये हो चुका है। एफपीआइ इक्विटी के अलावा डेट फंड में 60 हजार रुपये का निवेश कर चुके हैं। साल 2024 में भी राजनीतिक स्थिरता और अर्थव्यवस्था के गुलाबी बने रहने के आसार हैं, इसलिए माना जा रहा है कि एफपीआई का निवेश बरकरार रहेगा। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आठ दिसंबर तक विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 606.85 बिलियन डॉलर के

स्तर पर पहुंच गया। साथ ही, विदेशी करेंसी एसेट में भी बढ़ोतरी हुई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति खाद्य पदार्थों की कीमत में हुई इजाफे की वजह से बढ़ कर 5.55 प्रतिशत हो गयी, जो अक्तूबर में 4.87 प्रतिशत रही थी। फिर भी अभी खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक द्वारा महंगाई के लिए तय अधिकतम सहनशीलता सीमा छह प्रतिशत से कम है। भारतीय अर्थव्यवस्था में तेज रिकवरी जारी रहने के कारण सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) में लगातार सुधार आ रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में जीडीपी में 7.6 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई, जबकि पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही थी, जो पिछली चार तिमाहियों में सबसे अधिक थी।

भारत की जीडीपी दर रूस, अमेरिका, चीन और ब्रिटेन से बहुत बेहतर है। वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में वृद्धि दर में बेहतरी आने से पूरे वित्त वर्ष की वृद्धि दर में भी सुधार दर्ज किया गया था। वित्त वर्ष 2022-23 में जीडीपी के 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान था, जो वास्तव में 7.2 प्रतिशत रही थी। वित्त मंत्रालय के अनुसार, जीडीपी में निजी खपत की हिस्सेदारी 2023-24 की दूसरी तिमाही में 61 प्रतिशत रही, जो पहली तिमाही में 59.7 प्रतिशत रही थी। जीडीपी वृद्धि दर में विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र का विशेष योगदान रहा है। धीमी वैश्विक वृद्धि के बावजूद दूसरी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र में 13.9 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई, जबकि निर्माण क्षेत्र में 13.3 प्रतिशत की दर से। इसके अलावा, खनन क्षेत्र में भी उच्च दर से वृद्धि हुई है। निर्यात में भी अब पहले से तेजी देखी जा रही है और इसी वजह से विदेशी मुद्रा भंडार में भी वृद्धि हो रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आंकड़े रेखांकित करते हैं कि अक्तूबर महीने में भारत का औद्योगिकी उत्पादन 11.7 प्रतिशत रहा, जो विगत 16 महीनों में सबसे अधिक है। सितंबर महीने में यह 5.8 प्रतिशत रही थी और 2022 के सितंबर महीने में 3.3 प्रतिशत। फिलहाल भारत की विकास दर में निरंतर इजाफा हो रहा है, क्योंकि महंगाई नियंत्रण में है, निर्यात बढ़ रहा है, विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ रहा है, एफपीआइ द्वारा लगातार भारतीय बाजार में निवेश किया जा रहा है, औद्योगिक उत्पादन में बढ़ोतरी हो रही है, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत कम हो रही है, सरकारी और निजी कंपनियों के बैलेंस शीट और मुनाफे में भी बेहतरी आ रही है, निजी निवेश और खर्च में भी वृद्धि हो रही है। ऐसे माहौल में शेयर बाजार का चमकना लाजिमी है।

मुख्यमंत्री लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रांतीय परिवार सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में हुए शामिल

मीसा बंदियों को सम्मान राशि की बहाली के लिए छग सरकार करेगी पहल : विष्णुदेव

मीसाबंदियों की आपबीती सुन भावुक हुए मुख्यमंत्री, कहा मेरे बड़े पिता जी भी 19 महीने मीसाबंदी रहे, मैं इस पीड़ा को जानता हूँ

रायपुर। मीसा बंदियों को सम्मान राशि की बहाली के लिए छत्तीसगढ़ सरकार करेगी पहलमीसा बंदियों को सम्मान राशि मुख्यमंत्रीविष्णु देव साय लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रांतीय परिवार सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में हुए शामिल मैंने मीसा बंदियों के तकलीफों को बहुत करीब से देखा है। उनके संघर्ष और पीड़ा को मैंने महसूस किया है। आपातकाल के दौरान मेरे बड़े पिताजी स्वर्गीय नरहरि साय भी 19 महीने तक जेल में रहे। यह बात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के वृंदावनहाल में लोकतंत्र सेनानी संघ द्वारा आयोजित प्रांतीय परिवार सम्मेलन और सम्मान समारोह में कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मीसाबंदियों की सम्मान राशि की बहाली के लिए पहल करेगी। सम्मेलन में प्रदेश भर से आए मीसा बंदी और उनके परिजनों ने अपनी आपबीती भी साझा की। आपबीती सुन भावुक हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आपातकाल के समय का जिक्र करते हुए कहा कि लोकतंत्र सेनानी जब जेल जाते थे तो उस परिवार की स्थिति बड़ी पीड़ादायक हो जाती थी। इन परिवारों के सामने आजीविका का संकट हो जाता था। मीसा बंदियों के साथ हमारी सरकार न्याय करेगी। पूर्ववर्ती डॉ रमन सिंह की सरकार ने मीसाबंदियों के लिए सम्मान राशि देने की शुरुआत की थी। हम मीसाबंदियों के लिए बेहतर कार्य करेंगे।

राज्यसभा सांसद और लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी ने कहा कि लोकतंत्र के लिए संघर्ष की बात जब भी आएगी, तब इन लोकतंत्र के प्रहरी मीसा बंदियों के संघर्षों से प्रेरणा ली जाएगी। इन्होंने लोकशाही के लिए लड़ाई लड़ी। यह भारत के इतिहास में एक बड़ा उदाहरण है।

कार्यक्रम को विधायक पुरंदर मिश्रा, लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में रामप्रताप सिंह, लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संतोष शर्मा, नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष दिवाकर तिवारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष द्वारिका जायसवाल सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मंत्री लखनलाल ने विभागीय काम-काज की समीक्षा की

उद्योग स्थापना नहीं करने वाली इकाईयों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिए गए

रायपुर। वाणिज्य, उद्योग तथा सार्वजनिक उपक्रम विभाग के मंत्री लखनलाल देवांगन ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय कार्यों की समीक्षा की। श्री देवांगन ने अधिकारियों को राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों में इकाईयों के लिए आबंटित भूमि पर उद्योग स्थापना नहीं करने वाली इकाईयों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिए गए। बैठक में सूक्ष्म, लघु मध्यम एवं वृहद उद्योगों की विकास, औद्योगिक नीति के अंतर्गत उद्योगों को राज्य की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता, सार्वजनिक उपक्रमों के कार्य सहित राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड, सीएसआईडीसी, पंजीयक फर्म व संस्थाओं की गतिविधि एवं वाष्पयंत्र कार्यों सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को सही समय पर दिलाना सुनिश्चित करें।

बैठक में सचिव उद्योग मोहम्मद कैसर अब्दुल हक, संचालक उद्योग सह प्रबंध संचालक (सीएसआईडीसी) पी. अरूण प्रसाद, संयुक्त सचिव उद्योग आलोक त्रिवेदी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश से जिले में ध्वनि प्रदूषण जांच दल का गठन किया गया है. यह दल अपने-अपने थाना क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण के नियमों-प्रावधान का पालन कराना सुनिश्चित करेंगे. साथ ही उल्लंघन होने पर कार्रवाई भी करेंगे. आदेश के अनुसार जांच दल क्रमांक 1 में एसडीएम देवेन्द्र पटेल (थाना-गोलबाजार एवं रायपुर नगर निगम सीमा को छोड़कर शेष रायपुर अनुभाग, कार्यपालिक दण्डाधिकारी राजकुमार साहू, थाना प्रभारी, गोलबाजार, नगर पालिक निगम

संबंधित जोन कमिश्नर, रसायनज्ञ अभय कुमार मिश्रा, छ.ग. पर्या.सं.म., रायपुर शामिल हैं.

दल क्रमांक 2 में एसडीएम (नगर) आशुतोष देवांगन (थाना-टिकरापारा, राजेन्द्र नगर, डी.डी.नगर, पुरानीबस्ती, गंज, मौदहापारा) कार्यपालिक दण्डाधिकारी जयेन्द्र सिंह, थाना प्रभारी टिकरापारा, राजेन्द्र नगर, डी.डी. नगर, पुरानीबस्ती, गंज, मौदहापारा, संबंधित जोन कमिश्नर, उप अभियंता, छ.ग.पर्या.सं.म. एस.के.चौधरी शामिल हैं.

दल क्रमांक 3 में 1. एसडीएम (नगर) आशुतोष देवांगन (थाना-मुजगहन, गुढ़ियारी, खमतराई, उरला, विधानसभा, माना) कार्यपालिक दण्डाधिकारी विकांत सिंह राठौर, थाना प्रभारी मुजगहन, गुढ़ियारी, खमतराई, उरला, विधानसभा, माना, संबंधित जोन कमिश्नर, केमिस्ट खेमचंद साहू शामिल हैं.

टाटा एस वाहन में लगाई आग लाखों का सामान जलकर खाक

रायपुर। कर्मा चौक रामनगर में अज्ञात व्यक्ति ने टाटा एस वाहन में आग लगा दी। जिससे उसमें लोड सामान जलकर खाक हो गया। प्रार्थी की शिकायत पर गुढियारी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। प्रार्थी गोलूराम ध्रुव 32 वर्ष सीतलापारा रामनगर का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी टाटा एस वाहन क्रमांक सीजी 04 एचपी 8144 में सामान लोड कर कर्मा चौक के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात व्यक्ति ने उसमें आग लगा दिया। जिससे वाहन के साथ-साथ उसमें लोड सामान प्रोजेक्टर, स्क्रीन व अन्य सामान जलकर खाक हो गया।

पूजा-पाठ-धार्मिक अनुष्ठान हमारी परंपरा: विकास

रायपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर पूर्व विधायक व संसदीय सचिव विकास उपाध्याय का बयान सामने आया है. उन्होंने कहा कि, 14 तारीख से भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत राहुल गांधी करने वाले हैं. वे लगातार अलग-अलग रूट में जाएंगे. अलग-अलग गांव में, शहरों में जाकर लोगों से बातचीत होगी. भारत जोड़ो यात्रा फर्स्ट केस की यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक राहुल गांधी ने शुरू की थी. वहीं, दूसरी यात्रा नॉर्थ ईस्ट से मुंबई महाराष्ट्र तक होगी. अपने आप में भूत और भविष्य में ऐसी यात्रा कोई करने वाला यात्रा होगा तो वह राहुल गांधी है. नॉन पॉलिटिकल यात्रा आमजन स्थिति और उनसे बातचीत करना और पूरा घूम कर समझना अपने आप में बड़ी बात है.

प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर विकास उपाध्याय ने कहा कि, भारतीय जनता

पार्टी की सरकार है. सरकार बनने से पहले भाजपा ने बहुत बड़े-बड़े वादे किए थे. अपराध मुक्त, अपराध गढ़ की बात किए थे. छत्तीसगढ़ को मैं समझता हूं, जब कांग्रेस की सरकार थी तो इतने अपराध नहीं होते थे, जितने हर दिन हर अलग-अलग जिलों में अब हो रहा है. अपराध की एक सीमा होती है उसको भी क्रॉस करने का काम भाजपा ने किया है. अपराधियों का हौसला बुलंद हो गया है, लेकिन फिर भी भाजपा चुप्पी सादे बैठी है.

कांग्रेस नेता सचिन पायलट के छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर पूर्व विधायक उपाध्याय ने कहा कि, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सम्माननीय नेता व प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट कल रायपुर आएंगे. सभी जनप्रतिनिधियों से संगठन के जितने पदाधिकारी हैं, उनसे भेंट मुलाकात होगी. आने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर संगठन को कैसे ऊर्जा देना है, उसको लेकर भी चर्चा करेंगे. सचिन पायलट से अच्छा संदेश इस प्रदेश में जाने वाला है. सचिन पायलट युवा नेता हैं और उनका अच्छा अनुभव है. इसका कुछ ना कुछ फायदा जरूर छत्तीसगढ़ में होगा. कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के अयोध्या नहीं जाने के सवाल पर विकास उपध्याय ने कहा कि, इस विषय में मुझे जानकारी नहीं है।

प्रमुख समाचार
छत्तीसगढ़/राजधानी

हिट एंड रन का नया कानून अभी लागू नहीं

रायपुर। हिट एंड रन मामले पर केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि हिट एंड रन मामलों के लिए लाए गए कानून को अभी लागू नहीं किया गया है। अभी पुराना कानून ही लागू है। कतिपय स्वार्थी तत्वों के द्वारा फेक लेटर्स के माध्यम से गलत जानकारी देकर ट्रांसपोर्ट संगठनों और वाहन चालकों को बहकाने की सूचना मिली है। वाहन चालकों को स्वार्थी तत्वों द्वारा गलत जानकारी देकर फैलाए जा रहे अफवाहों से डरने की आवश्यकता नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि नए कानून को लागू करने से पहले अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रतिनिधियों से बातचीत करने के बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा। वाहन चालकों को किसी भी प्रकार के बहकावे में आने और भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। इस संबंध में वाहन चालकों को किसी प्रकार के अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा आल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस को पत्र प्रेषित कर स्पष्ट किया है कि भारत सरकार का संबंधित विभाग इस कानून को लागू करने से पहले अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रतिनिधियों से बातचीत करेगी और उसके बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा। केंद्रीय गृह सचिव श्री अजय भल्ला ने कहा है कि भारतीय न्याय संहिता 106(2) लागू करने से पहले हम ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेंगे ।

वकसित भारत संकल्प यात्रा के 43 शिविर लगाये गये

रायपुर। केन्द्र सरकार की विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत शासन के निर्देषानुसार नगर पालिक निगम रायपुर के विभिन्न वार्डो में विगत 16 दिसम्बर 2023 से 6 जनवरी 2024 तक 43 स्थानों पर षिविर लगाये गये । विगत 16 दिसम्बर 2023 को प्रदेष के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के करकमलो से नगर निगम रायपुर क्षेत्र के रायपुर उत्तर , रायपुर ग्रामीण, रायपुर पष्चिम, रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न वार्डो में केन्द्र सरकार की विकसित भारत संकल्प यात्रा के षिविरो का शुभारंभ हुआ । विभिन्न षिविरों में प्रदेष के स्कूल षिक्षा, उच्च षिक्षा, संसदीय कार्य, संस्कृति पर्यटन, धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर लोकसभा सांसद सुनील सोनी, रायपुर पष्चिम विधायक राजेष मूणत, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू का मार्गदर्षन निरंतर प्राप्त होता रहा । नगर निगम नेता प्रतिपक्ष मीनल चैबे, उपनेता प्रतिपक्ष मनोज वर्मा, निगम लोककर्म विभाग अध्यक्ष ज्ञानेष शर्मा, सामान्य प्रषासन विभाग अध्यक्ष रितेष त्रिपाठी, खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग अध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल, जोन 3 जोन अध्यक्ष डॉ. प्रमोद साहू, पार्षदगण, वार्डो में लगे षिविरो में पहुंचकर आमजनों की समस्याएं सुनकर उनका समुचित त्वरित निदान का कार्य नगर निगम आयुक्त अबिनाष मिश्रा शामिल थे।

डीआरजी और बस्तर फाइटर्स टीम को मिली सफलता

जगदलपुर। सुकमा पुलिस ने नक्सलियों के द्वारा डंप किये गए सामान को बरामद करने में सफलता हासिल की है, बताया जा रहा है कि नक्सलियों की उपस्थिति पर जिला सुकमा के थाना भेजी थाना के तहत डीआरजी, एवं बस्तर फाइटर्स टीम के द्वारा विशेष नक्सल अभियान संचालित किया गया था। सर्चिंग के दौरान दंतेशपुरम एवं कोराजगुड़ा के बीच की पहाड़ी में पुलिस की गतिविधि देख नक्सली आस-पास के घने जंगलों में भाग खड़े हुए, मौके पर आस-पास के इलाकों की सर्चिंग करने पर बैरल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल) 02 नग, 12 बोल्ट गन 01 नग, भरमार 01 नग, बीजीएल सेल 16 नग, बीजीएल कॉड्रिज 24 नग, बीजीएल पिट्ठू बैग 03 नग, मैगजीन पोच 01 नग, 01 बण्डल लाल कपड़ा व अन्य नक्सली दैनिक उपयोगी सामाग्री बरामद किया गया। अभियान के बाद डीआरजी एवं बस्तर फाइटर्स टीम सुरक्षित कैम्प वापस लौट आई।

लोकसभा की सभी 11 सीटें जीतने का किया दावा : डॉ.रमन

राजनांदगांव। जिले के सोमनी स्थित एक निजी होटल में भाजपा द्वारा अभिनंदन एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में शिरकत करते हुए विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिह ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कार्यकर्ताओ में जोश भरा। वहीं छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटें जीतने का दावा किया। विधानसभा चुनाव के बाद अब लोकसभा आम चुनाव नजदीक आ रहा है, ऐसे मे राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। भाजपा कांग्रेस अपने-अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठकों का दौर शुरु कर दिया है। इसी कडी में राजनांदगांव जिले के सोमनी स्थित एक निजी हॉटल में भारतीय जनता पार्टी ने कार्यकर्ता सम्मेलन एवं अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया, जहां रमन सिंह ने शिरकत की और भाजपा के कार्यकताओं का विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत के लिए धन्यवाद देते हुए अभिनन्दन किया। इस दौरान उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए जोश भी भरा।

399 कुंतल अवैध धान जब्त खाद्य विभाग की कार्रवाई

कबीरधाम। कबीरधाम कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देश पर राजस्व मंडी और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध धान परिवहन पर बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को टीम ने करीब 399 कुंतल अवैध धान को जब्त किया गया है। इस धान को खरीदी केन्द्र में खपाए जाने की तैयारी थी। डिप्टी कलेक्टर और प्रभारी खाद्य अधिकारी आकांक्षा नायक ने बताया कि राजस्व निरीक्षक, मंडी निरीक्षक और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम बाघूटोला में अवैध धान परिवहन के दो मामलों में 120 बोरी और 51 बोरी की दो गाड़ी जब्त की गई हैं। आकांक्षा नायक ने बताया कि 40 किलो के हिसाब से लगभग 70 कुंतल धान जब्त किया गया और मंडी को सुपुर्द किया गया। उन्होंने बताया कि पंडरिया क्षेत्र के चार प्रकरण में 140 कुंतल और पंडरिया में 15 प्रकरण में 189 क्विंटल धान जब्त किया गया है। यह कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। वहीं जिले में 70 प्रतिशत से अधिक किसानों ने अपना धान का विक्रय कर लिया है।

नक्सली मांद से निकलकर जुगल बना इंजीनियर

नक्सलियों के गढ़ रहे चांदामेटा से निकला एक हीरा

दिल की बीमारी की वजह से छूटी नौकरी, कलेक्टर विजय दयाराम ने बना दिया शिक्षक

जगदलपुर। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने जिले के संवेदनशील क्षेत्र चांदामेटा के बीटेक पास जुगल किशोर को आश्रम शाला में कंप्यूटर शिक्षक की नौकरी दी है। कलेक्टर ने कहा कि बहुत कम लोग हैं, जो अति संवेदनशील क्षेत्र से निकलकर उच्च शिक्षा ग्रहण कर पाते हैं। प्रशासन हमेशा ऐसे क्षेत्रों से निकलने वाले युवाओं की सराहना और हर संभव सहयोग करने का प्रयास करता है। अति संवेदनशील क्षेत्र के बच्चों और युवाओं का उच्च शिक्षा प्राप्त करना भी एक बड़ी उपलब्धि है, शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर बी-टेक तक की पढ़ाई करने वाले जुगल किशोर कोर्राम क्षेत्र के लिए रोल मॉडल है।

जुगल किशोर कोर्राम बस्तर जिले के संवेदनशील क्षेत्र चांदामेटा का निवासी है। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले जुगल ने प्रारंभिक शिक्षा कोलेंग में प्राप्त की। इसके बाद जगदलपुर, फिर रायपुर प्रयास स्कूल से स्कूली शिक्षा ग्रहण की। प्रयास के माध्यम में इंजीनियर बनने की प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी की और रायपुर के शासकीय इंजीनियारिंग कालेज से बी टेक की पढ़ाई की। उसने बताया कि आर्थिक जरूरतों के लिए टीचिंग काम भी उसने किया। पढ़ाई के दौरान उसे स्वास्थ्यगत दिक्कत होने लगी थी, जांच करवाने पर दिल से संबंधित बीमारी का पता चला। इस बीमारी की वजह से उसे आर्थिक हानि के साथ साथ ज्यादा चलने में दिक्कत होने लगी है। जुगल के परिवार में माता पिता, एक भाई और बहन हैं। माता पिता कृषि कार्य में संलग्न हैं तथा भाई और बहन पढ़ाई कर रहे हैं।विधानसभा चुनाव के दौरान चांदामेटा में पहली बार वोटिंग की प्रक्रिया हुई।

इस खबर को देखकर जुगल किशोर बड़ी उम्मीद के साथ कलेक्टर विजय से मिले। कलेक्टर ने जुगल के आवेदन पर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। निर्वाचन उपरांत सोमवार को कोलेंग क्षेत्र के विकास कार्यों का निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जुगल किशोर से मिलकर उसे बालक आश्रम में कंप्यूटर शिक्षक के रूप में नियुक्ति देने की बात कही। जुगल ने सहमति दी, तो कलेक्टर उसे अपनी गाड़ी में बिठाकर आश्रम तक ले गए। वहां नियुक्ति हेतु आदेश जारी करने के लिए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को निर्देशित किया। कलेक्टर ने आश्रम के विद्यार्थियों से नए कंप्यूटर शिक्षक का परिचय करवाया, इस अवसर पर जुगल ने छात्रों को गणित और अंग्रेजी भी पढ़ाने की बात कही।

जुगल के टैलेंट का होगा उपयोग

कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा है कि जुगल किशोर एक प्रतिभावान युवा है। उसके पास जो टैलेंट है, उसे हम जाया नहीं होने देंगे, उस टैलेंट का सदुपयोग कर कोलेंग तथा आसपास के गांवों के बच्चों की प्रतिभा को निखारने का काम करेंगे। जुगल किशोर को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नौकरी दी गई है। उसके समुचित ईलाज का प्रबंध भी किया जाएगा। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा कि जुगल किशोर नक्सल प्रभावित इलाकों के ही नहीं, बल्कि पूरे बस्तर जिले के युवाओं और बच्चों का रोल मॉडल है। ऐसे होनहार युवा की मदद करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। कलेक्टर विजय दयाराम के. जुगल को लेकर स्कूल में पहुंचे और बच्चों से उसका परिचय कराया। इस दौरान जुगल की खुशी का पारावार नहीं था।

नगर निगम ने रायपुरा में शासकीय भूमि से कब्जा हटाया

रायपुर। आज नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 8 के नगर निवेश विभाग की टीम ने नगर पालिक निगम को प्राप्त जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने के नगर पालिक निगम के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के नेतृत्व, कार्यपालन अभियन्ता अभिषेक गुप्ता, उप अभियन्ता सु रूचिका मिश्रा एवं सम्बंधित कर्मचारियों की उपस्थिति में जेसीबी मशीन एवं मजदूरों की सहायता से स्थल निरीक्षण के दौरान जनशिकायत सही मिलने पर अभियान चलाकर महादेवघाट रायपुरा मार्ग में शनि मन्दिर एवं गौठान के समीप अवैध रूप से कब्जा जमाकर ठेले लगाकर जनअसुविधा उत्पन्न कर रहे अवैध ठेलों को हटाकर सड़क को कब्जे से मुक्त करवाया.

इन अवैध ठेलों, गुमटियों से अवैध गतिविधियों को किये जाने की जनशिकायत मिली, जिसे तत्काल संज्ञान में लेकर जोन 8 नगर निवेश विभाग की टीम ने कार्यवाही कर अवैध ठेले गुमटियों को हटाया , जिससे आमजनों, राहगीरों,वाहन चालकों को यातायात जाम से तत्काल राहत मिली एवं यातायात

पूरी तरह सुविधाजनक हो गया. इस तरह प्राप्त जनशिकायत का जोन नगर निवेश विभाग द्वारा त्वरित निदान किया गया. वहीं नगर पालिक निगम जोन 8 नगर निवेश विभाग की टीम ने रायपुरा में शासकीय भूमि पर कब्जा स्वत: हटाने की पूर्व में नगर निगम जोन 8 द्वारा दी गयी नोटिस के बावजूद भी अब तक शासकीय भूमि से स्वत: कब्जा नहीं हटाए जाने को पाकर अभियान चलाकर कब्जा हटाया एवं रायपुरा में शासकीय भूमि को कब्जामुक्त करवाकर प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.